RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 137 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 11-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं : कंगना रनौत

6 क्या आपका पर्सनल डेटा सुरक्षित है?

7 'फैशन' में निभाए किरदार ने किस्मत बदल दी : प्रियंका

फर्स्ट टेक

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय को नौ करोड़ डॉलर की कमी

जेनेवा/एपी। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने बुधवार को कहा कि उनके कार्यालय को इस वर्ष नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि की कमी का सामना करना पड़ रहा है जिसका 300 नौकरिया प्रभावित होंगी। तुर्क का कहना है कि जिनेवा स्थित कार्यालय अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि ब्रिटेन, फिनलैंड, फ्रांस और अमेरिका समेत प्रमुख दानदाताओं ने अपने योगदान में कमी कर दी है। मानवाधिकार दिवस के मौके पर तुर्क ने पत्रकारों से कहा, हमारे संसाधनों में कटौती की गई है और इसके साथ ही दुनिया भर में जमीनी स्तर पर काम करने वाले मानवाधिकार संगठनों के वित्तपोषण में भी कम कर दी गई है। हम अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। नेतन्याहू ने मोदी को टेलीफोन किया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना का शीघ्र कार्यान्वयन भी शामिल है।'' बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी में प्रगति पर संतोष जताया और परस्पर लाभ के लिए इन संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मोरक्को के दूसरे सबसे बड़े शहर में इमारत ढहने से 19 लोगों की मौत

फेज (मोरक्को)/एपी। मोरक्को के फेज शहर में रात में दो बहुमंजिला इमारतों के ढहने से 19 लोगों की मौत हो गई। इस साल यहां इमारतों के ढहने की यह दूसरी घातक घटना है। प्राधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मोरक्को की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रभावित आवासीय इमारतों में आठ परिवार रहते थे। हादसे में 16 लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। बुधवार सुबह तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि इमारत के ढहने का कारण क्या था या कितने लोग लापता थे।

'आपका पैसा, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत पिछले दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपए की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं।

सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है।

मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, '' सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य

वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपए पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।''

अक्टूबर से पांच दिसंबर 2025 तक 477 जिलों में शिविर आयोजित किए गए। इनमें जन प्रतिनिधियों, जिला प्रशासनों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री लोगों से 'आपका पैसा, आपका अधिकार' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह करते हुए कहा, '' हम आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय बैंकों में हमारे ही नागरिकों का बिना दावे का 78,000 करोड़ रुपए पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपए की राशि बिना दावे के पड़ी है। साथ ही म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपए और 9,000 करोड़ रुपए की ऐसी लाभांश राशि रखी है।

अवैध घुसपैठियों के लिए विपक्ष कर रहा एसआईआर का विरोध : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस समेत विपक्ष के पास विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने का कोई उचित कारण नहीं है और उनके विरोध का मूल मुद्दा अवैध घुसपैठियों को मतदाता सूची में रखने का है। चुनाव सुधारों पर लोकसभा में चर्चा का समापन करते हुए शाह ने यह भी कहा कि हमारी नीति घुसपैठियों को ''खोजने, मतदाता सूची से उनका नाम हटाने और देश से निकालने'' की है, जबकि कांग्रेस समेत विपक्ष की नीति घुसपैठियों को मान्यता प्रदान कर मतदाता सूची में डालने की है।'' शाह के बयान पर विरोध जताते हुए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया।

गृह मंत्री ने अपने करीब डेढ़ घंटे के भाषण में कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मैंने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी पर भी सवाल किए तब इन्होंने बहिष्कार नहीं किया। घुसपैठियों के सवाल पर भाग गए।'' उन्होंने कहा कि ''विपक्ष कितनी भी बार बहिष्कार करे ले, हम एक भी घुसपैठिये को देश में नहीं रहने देंगे।'' उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। शाह ने कहा कि जनसांख्यिकी में यह बदलाव बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश में घुसपैठ के लिए केंद्र से सवाल करता है। शाह ने कहा कि सरकार ने कई सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ रोकने के लिए बाड़ लगाने और सीमा को मजबूत करने का काम पूरा कर लिया है, केवल पश्चिम बंगाल अधूरा रह गया है क्योंकि वहां की सरकार बाड़बंदी नहीं होने दे रही। उन्होंने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ''बताना चाहता हूं कि घुसपैठियों को बचाओगे तो भाजपा की जीत तय है।

आप केंद्र पर सवाल कर रहे हो। आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? ये देश के भविष्य और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिहार की जनता ने (चुनाव में) महान फैसला दे दिया है और बंगाल भी यह करने जा रहा है।''

शाह ने विपक्ष पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों की टोका-टोकी के बीच कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता उनसे हार का हिसाब मांगेंगे।

इंडिगो संकट:

डीजीसीए ने आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया

मुंबई/भाषा। राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी करते हुए विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, इस दल में एक उपमुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे। आदेश के मुताबिक, इनमें से दो सदस्य रोजाना इंडिगो के मुख्य कार्यालय में तैनात रहेंगे। उन्हें एयरलाइन के पूरे बेड़े, औसत उड़ान दूरी, कुल पायलटों की संख्या, नेटवर्क विवरण, चालक दल के सेवा के घंटे, प्रशिक्षण में लगे चालक दल और अन्य संबंधित मामलों की निगरानी करनी होगी। डीजीसीए के आदेश में कहा गया कि ये दो सदस्य प्रतिदिन की उड़ानों, अनियोजित छुट्टियों, चालक दल की कमी के कारण प्रभावित क्षेत्रों की कुल संख्या, साथ ही प्रत्येक आधार पर प्रतिदिन स्टैंडबाय पर रहने वाले कॉकपिट और केबिन चालक दल की संख्या पर भी नजर रखेंगे।

आदेश में कहा गया कि इसके अलावा, डीजीसीए कार्यालय के दो और अधिकारी एक वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी और एक उप निदेशक इंडिगो के मुख्य कार्यालय में तैनात किए जाएंगे ताकि वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की रद्द होने की स्थिति, धनवापसी की स्थिति, समय पर उड़ान परिचालन, नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार यात्रियों को मुआवजा, और सामान की वापसी की निगरानी कर सकें। दोनों दल प्रतिदिन शाम छह बजे तक संयुक्त महानिदेशक (प्रशासन) हरीश कुमार वशिष्ठ और संयुक्त महानिदेशक जय प्रकाश पांडेय को रिपोर्ट देंगे।

वायुसेना प्रमुख ए पी सिंह ने कहा

'हम दुश्मन के किसी भी दुस्साहस को नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारतीय वायुसेना पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी 'स्टील्थ' क्षमता और रणनीति में लगातार सुधार कर रही है।

डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। वायुसेना प्रमुख ए पी सिंह ने बुधवार को यहां कहा कि भारतीय वायुसेना किसी भी शत्रु देश के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

वर्ष 1971 में पाकिस्तान पर भारत की विजय के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विजय दिवस के अवसर पर आयोजित हवाई प्रदर्शन में भाग लेते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी 'स्टील्थ' क्षमता और रणनीति में लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''अगर कोई शत्रु राष्ट्र किसी भी तरह का दुस्साहस करता है, तो हम उसे करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' सिंह ने जोर देकर कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर भारत, विशेष रूप से भारतीय वायुसेना, दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए तैयार

है। उन्होंने वर्ष 1971 के युद्ध में भारतीय वायुसेना के योगदान को याद करते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कदमों पर प्रकाश डाला।

सिंह ने कहा, ''भारतीय वायुसेना ने जिस दृढ़ता से डटकर अपना काम किया, चाहे वह नवंबर में दिन के समय चलाए गए अभियान हों, अंतिम प्रहार हों या बांग्लादेश में राज्यपाल भवन पर हमला, उसने निर्णायक रूप से युद्ध का अंत किया।'' सिंह ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों की उन 13 दिनों की त्वरित कार्रवाई में उन्होंने पाकिस्तान को दबाव में झुकते और युद्धविराम की अपील करते देखा।

उन्होंने कहा, ''यह अभियान न केवल भारतीय वायुसेना के लिए एक बड़ी सफलता थी, बल्कि संयुक्त कार्यकुशलता की भी एक बड़ी उपलब्धि थी। नदी पार करने या हवाई मार्ग से सामान गिराने जैसे नियोजित अभियान सेना और वायुसेना के बीच घनिष्ठ समन्वय के बिना संभव नहीं होते।''

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया नई दिल्ली में स्पेसएक्स (स्टारलिंक) के बिज़नेस ऑपरेशंस की उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रेयर से मुलाकात के दौरान चर्चा करते हुए।

भारत में स्टारलिंक की सेवाएं देने के लिए उत्साहित : मस्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने बुधवार को कहा कि वह अपनी उपग्रह आधारित इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक के साथ भारत में सेवाएं देने के लिए उत्साहित हैं।

मस्क ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्टारलिंक के साथ भारत की सेवा करने के लिए उत्सुक हूं!''

मस्क की यह टिप्पणी केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उस पोस्ट के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने दिल्ली में स्टारलिंक की उपाध्यक्ष (व्यवसाय परिचालन) लॉरेन ड्रेयर से मुलाकात की जानकारी दी थी।

सिंधिया ने कहा, ''स्टारलिंक की उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रेयर और वरिष्ठ नेतृत्व टीम से मिलकर खुशी हुई। भारत में उपग्रह-आधारित संपर्क को अंतिम छोर तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।''

स्टारलिंक दुनिया की सबसे उन्नत उपग्रह प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है, जो हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान करती है और दुर्गम एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी पहुंचा रही है।

पाकिस्तान और भारत आपस में लड़ रहे थे, मैंने युद्ध खत्म करवाया : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- ट्रंप अब तक लगभग 70 बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाया था।

न्यूयॉर्क/पेंसिल्वेनिया/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दावे को फिर से दोहराते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान में ''जंग छिड़ी हुई थी'' और उन्होंने ही परमाणु हथियारों से लैस दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष को समाप्त कराया।

ट्रंप अब तक लगभग 70 बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाया था।

ट्रंप ने मंगलवार को पेंसिल्वेनिया के माउंट पोकोनो में अर्थव्यवस्था पर एक रैली में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''दस महीनों में मैंने आठ युद्ध समाप्त करवाए जिनमें कोसोवो (और) सर्बिया, पाकिस्तान और भारत, इजराइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया... आर्मेनिया और अजरबैजान शामिल हैं, वे

आपस में लड़ रहे थे।'' भारत ने छह और सात मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष समाप्त करने के लिए 10 मई को सहमति बनी।

भारत ने संघर्ष के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। इसी बीच, ट्रंप ने कहा कि कंबोडिया और थाईलैंड में फिर से लड़ाई शुरू हो गई है और ''कल'' वह उन देशों को फोन करेंगे। ट्रंप ने कहा, ''ऐसा कौन कह सकता है कि मैं एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया जैसे दो बेहद शक्तिशाली देशों के बीच जारी युद्ध को रोक दूंगा? वे आपस में लड़ रहे हैं। लेकिन मैं यह करूंगा। इसलिए हम ताकत के बल पर शांति स्थापित कर रहे हैं। हम यही कर रहे हैं।''

आव्रजन के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि 50 वर्षों में पहली बार अमेरिकी नागरिकों के लिए अधिक नौकरियां, बेहतर वेतन और उच्च आय सुनिश्चित हो पा रही है, न कि अवैध प्रवासियों के लिए।

सशस्त्र बलों ने सूडान के तेल क्षेत्र पर ड्रोन हमला किया, दर्जनों लोगों की मौत

जुबा/एपी। सूडान के सशस्त्र बलों द्वारा मंगलवार शाम को देश की सबसे बड़ी तेल प्रसंस्करण ईकाई के पास किए गए ड्रोन हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गयी। 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आरएसएफ) ने यह जानकारी दी। 2023 से सूडान की सेना से लड़ रही आरएसएफ ने बताया कि दक्षिण सूडान की सीमा के पास हेगलिग स्थित तेल क्षेत्र पर उसके कब्जा करने के एक दिन बाद यह हमला हुआ। दोनों पक्षों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि मृतकों और घायलों की सटीक संख्या की तुरंत पुष्टि नहीं की जा सकी। स्थानीय समाचार संस्थानों ने बताया कि सात आदिवासी नेता और आरएसएफ के 'दर्जनों' लड़ाके मारे गए हैं। आरएसएफ के अनुसार, तुर्किये निर्मित अकिन्सी ड्रोन हमले में मारे गए लोगों में दक्षिण सूडानी सैनिक भी शामिल हैं। आरएसएफ ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। सूडान के दो सैन्य अधिकारियों ने ड्रोन हमले की पुष्टि की और बताया कि यह हमला आरएसएफ लड़ाकों को निशाना बनाकर किया गया था।

कलाकार, प्रकाश पर्व दीपावली को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान प्रस्तुति देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दीपावली उत्सव यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया।

11-12-2025 सूर्यास्त 5:54 बजे | 12-12-2025 सूर्योदय 6:32 बजे

BSE	NSE
84,391.27	25,758.00
(-275.01)	(-81.65)

सोना	चांदी
13,418 रु.	190,619 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रंगे सियार

लटक रही तलवार आप पर,
रोज नया होता पंगा।
चाल सियासी चलते सारे,
करते हैं खुद को नंगा।
चाहे लड़ ले आपस में पर,
हाल सभी का है चंगा।
राजनीति के अमर कुण्ड में,
हर सियार लगता रंगा।।

सिविल सेवाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी पांच वर्षों में बढ़कर 35 प्रतिशत हुई : सरकारी आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में उत्तीर्ण होने वाली महिलाओं का अनुपात 2019 में 24 प्रतिशत था और 2023 में बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सफल उम्मीदवारों में इंजीनियरिंग स्नातकों का हिस्सा लगातार 50 प्रतिशत से अधिक रहा है।

सिंह ने एक प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए पांच साल के आंकड़े प्रस्तुत किए, जिसमें अंतिम योग्यता सूची में महिला उम्मीदवारों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा सकती है।

इसके अनुसार वर्ष 2019 में 922 महिला उम्मीदवारों में से अंतिम योग्यता सूची में 220 महिलाएं शामिल थीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 1,132 में से 397 का रहा। साथ ही, इंजीनियरिंग स्ट्रीम के उम्मीदवारों का मेधा सूची में दबदबा बना रहा। वर्ष 2023 में 554 इंजीनियरों की सिफारिश की गई, जो मानविकी (368), विज्ञान (137) और चिकित्सा विज्ञान (73) के उम्मीदवारों की तुलना में कहीं अधिक थी।

आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 से 2023 तक हर साल इंजीनियरिंग स्नातकों की संख्या अधिक रही। सरकार ने स्नातक डिग्री धारकों के चयन में भी वृद्धि दर्ज की, जो 2019 में 672 से बढ़कर 2023 में 848 हो गई।

भारत ने ऑनलाइन सार्वजनिक सेवाओं का आकार दोगुना किया : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि भारत ने पिछले ढाई वर्षों में ऑनलाइन उपलब्ध सरकारी सेवाओं की संख्या को दोगुने से अधिक कर दिया है।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ''राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) वे फॉरवर्ड'' पहल के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी जाने वाली ई-सेवाओं की संख्या अप्रैल 2023 में 11,614 से बढ़कर अक्टूबर 2025 में 23,919 हो गई है, जो 105 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

एनईएसडीए एक राष्ट्रीय ढांचा है, जिसे प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा 2019 में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा अपनी ऑनलाइन सेवाओं के वितरण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए विकसित किया गया था। यह सात प्रमुख क्षेत्रों में डिजिटल शासन में सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए एक मानदंड उपकरण के रूप में कार्य करता है।

मंत्री ने यह भी कहा कि इसी अवधि के दौरान ऑनलाइन उपलब्ध अनिवार्य सेवाओं का हिस्सा भी 66 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया।

जब संविधान में कई संशोधन किए जा चुके हैं तो कार्य नियमों में बदलाव करने में क्या गलत है : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शासन व्यवस्था में सुधार के लिए मौजूदा सरकारी कार्य नियमों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता पर बुधवार को जोर दिया और कहा कि जब संविधान में संशोधन किया जा सकता है, तो जनता के हित में कार्य नियम बदलने में क्या गलत है। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में मंत्रियों, सचिवों और विभागाध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को जनहित में बड़े पैमाने पर बदलाव करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हमने देश के संविधान में कई बार संशोधन किया है, तो लोगों के लाभ के लिए कार्य नियमों में बदलाव करने में क्या बुराई है? नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनावश्यक नियमों को रद्द किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी और 'डेटा लेक' के माध्यम से प्रभावी शासन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी विभागों की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए ऑडिट करने का निर्देश दिया।

नायडू ने कहा कि सरकार के पास प्रत्येक अधिकारी और विभाग के प्रदर्शन की पूरी जानकारी मौजूद है। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे इस डेटा को ध्यान में रखते हुए जवाबदेही के साथ काम करें और जनता के प्रति उत्तरदायी रहें।

प्रमुख राजमार्गों पर इलेक्ट्रिक वाहनों से टोल वसूली 'अवैध' : राहुल नार्वेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को कहा कि मुंबई-पुणे और समृद्धि एक्सप्रेसवे पर इलेक्ट्रिक वाहनों से टोल की वसूली 'अवैध' है और उन्होंने सरकार से आठ दिनों के भीतर छूट प्रणाली को लागू करने को कहा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे और मुंबई में अटल सेतु पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए टोल छूट से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए मंत्री दादा भुसे ने स्वीकार किया कि छूट के बावजूद कुछ इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं से टोल वसूला गया था।

भूसे ने प्रश्नकाल के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (परिवहन संबंधी मामलों पर) की ओर से जवाब देते हुए कहा कि राज्य ने 23 मई, 2025 को इलेक्ट्रिक वाहन नीति की घोषणा की और इसे 22 अगस्त, 2025 से लागू किया। उन्होंने कहा, ''टोल छूट के लिए, इलेक्ट्रिक वाहनों के फास्टैग विवरण को वाहन (परिवहन पोर्टल) पर पंजीकृत करना और टोल प्रणाली के साथ एकीकृत करना आवश्यक है। यह प्रक्रिया तीन महीने पहले शुरू हुई थी। कुछ मामलों में टोल शुल्क काटा गया है। हम इस प्रक्रिया को (छूट देने की) शीघ्रता से पूरा करने और प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रयास कर रहे हैं।'' इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने हस्तक्षेप किया और कहा कि यह नीति पहले से ही लागू है।

नार्वेकर ने कहा, ''अगर किसी एक इलेक्ट्रिक वाहन से भी टोल लिया जा रहा है, तो यह गैरकानूनी है।'' उन्होंने भुसे को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि आठ दिनों के भीतर छूट प्रणाली पूरी तरह काम करने लगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश देते हुए कहा, ''राज्य सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है और अपनी नीति के माध्यम से जनता को आश्वासन दे रही है। किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन पर टोल नहीं लगना चाहिए और टोल छूट अगले आठ दिनों में लागू की जानी चाहिए। साथ ही, इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों से एकत्र की गई राशि वापस करने की व्यवस्था भी बनाई जानी चाहिए।''

मंत्री दादा भुसे ने कहा कि सरकार नार्वेकर के निर्देशों का पालन करेगी।

यातायात पुलिस कर्मियों को 'बॉडी कैमरे' से लैस किया जाएगा: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में यातायात पुलिस कर्मियों को 'बॉडी कैमरे' से लैस किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य विधान परिषद में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। फडणवीस ने कहा कि गोवा की तर्ज पर अब महाराष्ट्र में भी केवल वही यातायात पुलिस कर्मी नियमों के उल्लंघन को लेकर चालान जारी कर सकेंगे, जिनके पास 'बॉडी कैमरे' होंगे। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस को चरणबद्ध तरीके से 'बॉडी कैमरे' से लैस किया जाएगा और इसकी शुरुआत बड़े शहरों से होगी।

प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के कुछ सदस्यों ने यातायात पुलिस कर्मियों के निजी मोबाइल फोन से ई-चालान जारी करने पर आपत्ति जताई थी। फडणवीस ने कहा, सरकार यातायात पुलिस कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से 'बॉडी कैमरे' उपलब्ध कराएगी। गोवा की तरह महाराष्ट्र में भी केवल वही यातायात पुलिस कर्मी चालान जारी कर सकेंगे, जिनके पास 'बॉडी कैमरे' होंगे। उन्होंने कहा कि चालान जारी होने के बाद छह महीने के भीतर जुर्माना वसूली के लिए एक प्रणाली विकसित की जाएगी।

फडणवीस ने कहा, एक वरिष्ठ अधिकारी की अगुवाई में टीम दुनिया के विभिन्न देशों और भारत के विभिन्न राज्यों में इस्तेमाल की जाने वाली ऐसी प्रणालियों का अध्ययन करेगी। उसके सुझावों के आधार पर तीन महीने

नेस्ले इंडिया का ग्राहक-केंद्रित रणनीति, प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान: चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। रोजमर्रा के सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण एवं प्रौद्योगिकी पर जोर दे रही है। तिवारी ने कहा कि जिन जगहों पर कंपनी नए संयंत्र लगा रही है, वहां बिक्री में अच्छी वृद्धि होने की उम्मीद है।

मनीष तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने नेस्ले के लिए कुछ लक्ष्य तय किए हैं जिसमें ग्राहक के बारे में सबसे पहले सोचना, बिक्री की मात्रा बढ़ाना और अपने ब्रांडों में निवेश करना शामिल हैं।

तिवारी ने कहा, भारत में अपार संभावनाएं हैं। मसलन, कॉफी की खपत तेजी से बढ़ रही है और मैगी नूडल्स की पहुंच लगभग 20 प्रतिशत ही है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हमें विज्ञापन, मूल्य निर्धारण और नवाचार के जरिये अपने ब्रांडों को मजबूत करना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि कंपनी कुछ अधिग्रहण योजनाओं पर भी आगे बढ़ रही है लेकिन यह अब तक दायर से बाहर रहे क्षेत्रों में ही होगा।

भारत में 113 साल से सक्रिय नेस्ले की वित्त वर्ष 2024-25 में बिक्री 20,077 करोड़ रुपए रही थी। पिछले दो साल में कंपनी ने करीब 3,900 करोड़ रुपए का निवेश नए कारखाने लगाने और क्षमता बढ़ाने में किया है। उन्होंने कहा कि नेस्ले का भारत में बिक्री आंकड़ा जल्द ही दुनिया के शीर्ष पांच बाजारों में पहुंच सकता है।

तिवारी ने कहा, भारत के लिए सभी आर्थिक हालात अच्छे हैं और यहां तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन यह सब सरकार, मेरे और नेस्ले इंडिया के 9,000 से ज्यादा कर्मचारियों के हाथ में है। अगर आने वाले सालों में नेस्ले इंडिया दुनिया के शीर्ष पांच बाजारों में नहीं पहुंच पाती, तो मुझे बहुत निराशा होगी।

कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए सरकारी निधि की वकालत की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण पर रोक लगाने की बुधवार को मांग की। कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने चुनाव लड़ने के लिए जहां सरकारी निधि की व्यवस्था पर जोर दिया वहीं भाकपा (माले) लिबरेशन के सुदामा प्रसाद ने बिहार विधानसभा के लिए हाल ही में हुए चुनावों की संपूर्ण प्रक्रिया रद्द करने की मांग की।

सिंह ने एसआईआर के तहत मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव में बेतहाशा पैसों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी खर्चे पर चुनाव लड़ने की व्यवस्था किये जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग निष्पक्ष होना चाहिए था, लेकिन यह 'ब्लैक बॉक्स' बनकर रह गया है। उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया समाप्त करने और मतदान के दौरान तैयार सीसीटीवी फुटेज देखने का कानूनी अधिकार देने की वकालत की।

हमेशा कांग्रेस के साथ रहूंगी, पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं वडिंग : नवजोत कौर सिद्धू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। ''मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए'' वाली टिप्पणी के चलते कांग्रेस पार्टी से निलंबित की गयीं नवजोत कौर सिद्धू ने बुधवार को कहा कि वह और उनके पति हमेशा पार्टी के साथ रहेंगे। कौर कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं।

कौर ने कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर भी तीखा हमला करते हुए उन पर पार्टी को 'बर्बाद' करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कौर को ''मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए'' वाली टिप्पणी के लिए सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया था। उनकी टिप्पणी से राजनीतिक विवाद छिड़ गया था। कौर ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' हम कांग्रेस के साथ हैं और हमेशा रहेंगे, और हम अपने पंजाब राज्य को जीतेंगे और इसे अपने विनम्र, प्रिय और त्याग के प्रतीक गांधी परिवार को उपहार स्वरूप देंगे। '' कौर ने वडिंग पर निशाना साधते हुए कहा कि 70 ''कुशल, ईमानदार और वफादार'' नेता उनके संपर्क में हैं, ''जिन्हें आपने (वडिंग) कांग्रेस पार्टी से अलग कर दिया है और जो कांग्रेस टिकट के लिए योग्य विजयी उम्मीदवार हैं।'' उन्होंने अपने पोस्ट में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, '' आप पंजाब की 70 प्रतिशत सीटों को बर्बाद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहां आपने पहले ही अप्रभावी लोगों को फर्जी टिकट दे दिए हैं, इसके बावजूद कांग्रेस पंजाब में जीत हासिल करेगी।''

कौर ने वडिंग पर निशाना साधते हुए कहा, टिकट बेचने के आरोप में आपको गुजरात से निकाल दिया गया था और आपने वहां महंगी गाड़ियां, जमीनें और मेट्रो खरीदीं। क्या आप आईटी की व्याख्या सुनने के लिए तैयार हैं?

11 नक्सलियों का डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़चिरौली/भाषा। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बुधवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के समक्ष 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों के सिर पर सामूहिक रूप से कुल 82 लाख रुपए का इनाम था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक जब नक्सलियों ने डीजीपी के सामने हथियार डाले, तब उनमें से चार 'वर्दी' में थे। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन पर कुल 82 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

इसमें कहा गया है कि बड़ी संख्या में नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा से निराश हो गए हैं, नागरिकों के खिलाफ अंधाधुंध हिंसा से हताश हैं और महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2005 से लागू की गई आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति की ओर आकर्षित हुए हैं।

एसआईआर पिछले दरवाजे से की जा रही एनआरसी : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि निर्वाचन आयोग देश के उच्चतम न्यायालय और संसद से बड़ा नहीं है तथा एसआईआर कुछ और नहीं, बल्कि पिछले दरवाजे से की जा रही 'एनआरसी' है।

लोकसभा में, चुनाव सुधार पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संसद द्वारा बनाये गए विधान का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, ''यह उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा 'लाल बाबू हुसैन' मामले में दिये गए फैसले का उल्लंघन करता है।''

ओवैसी ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाताओं पर अपनी नागरिकता साबित करने का

भार डाल रहा है और ''यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1960 में इस सदन द्वारा पारित किये गए निर्वाचक नियमों तथा लाल बाबू हुसैन मामले में शीर्ष अदालत द्वारा दिये गए फैसले का उल्लंघन है।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग, देश के उच्चतम न्यायालय और संसद से बड़ा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'फॉर्म 6' नियम संसद ने पारित किया है लेकिन निर्वाचन आयोग इस सदन द्वारा पारित किये गए कानून की शुचिता को तार-तार कर रहा है।

ओवैसी ने एसआईआर का विरोध करते हुए दावा किया कि यह धर्म के नाम पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने की कवायद है। उन्होंने कहा, ''मैं एसआईआर का विरोध करता हूं क्योंकि यह पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) तैयार करने जैसा है।'' ओवैसी ने कहा कि वह सत्तारूढ़ भाजपा से आग्रह करते हैं कि देश में जर्मनी जैसी संसदीय व्यवस्था अपनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा, ''हमें आम सहमति बनाकर वोट के अधिकार को मूल अधिकार बनाना चाहिए।''

सोयाबीन की पैदावार बढ़ाने में किसानों की मदद करेगा एआई से लैस ऐप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर ने कृषि क्षेत्र में डिजिटल सशक्तीकरण की पहल के तहत कृत्रिम मेधा (एआई) से लैस मोबाइल ऐप विकसित किया है जिससे इस तिलहन फसल की पैदावार बढ़ाने में किसानों को मदद मिलेगी। संस्थान की एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

संस्थान की प्रधान वैज्ञानिक (कम्प्यूटर ऐप्लिकेशन) सविता कोल्हे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'सोयाबीन ज्ञान' नाम का यह ऐप किसानों को इस तिलहन फसल के बारे में वैज्ञानिक, सटीक और समयानुकूल जानकारी उपलब्ध कराएगा। डॉ कोल्हे ने बताया कि साल भर में विकसित इस ऐप की सबसे बड़ी खूबी इसका एआई-आधारित तकनीकी ढांचा है जिसकी बदौलत किसानों को सोयाबीन फसल के रोगों और कीटों से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, जब किसान इस ऐप में सोयाबीन की फसल की तस्वीर डालेंगे, तो यह उन्हें फसल के रोग या कीट के बारे में तुरंत जानकारी दे देगा और जरूरी समाधान भी सुझा देगा।''

प्रधान वैज्ञानिक ने बताया कि यह ऐप ग्रामीण क्षेत्रों के उन किसानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें तत्काल विशेषज्ञ सलाह नहीं मिल पाती है। उन्होंने बताया कि ऐप में रोगों और कीटों के प्रकोप के बारे में मौसम आधारित पूर्वानुमान प्रणाली भी शामिल है।

डॉ कोल्हे के मुताबिक, यह प्रणाली मौसम की स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर रोगों और कीटों के संभावित प्रकोप के बारे में समय रहते चेतावनी प्रदान करती है जिससे किसान इससे निपटने के वास्ते पक्की तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ऐप में एआई से लैस चैटबॉट भी है जो किसानों को हर वक्त सहायता प्रदान करेगा। ऐप में मंडियों में सोयाबीन के भाव की जानकारी भी लगातार अद्यतन होती रहती है।

ईडी ने डेयरी निवेश धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र में कई स्थानों पर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निवेशकों से 100 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने की आरोपी एक डेयरी एवं कृषि कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के हिस्से के रूप में बुधवार को महाराष्ट्र में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी ने धन शोधन के मामले में यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि 'विद्यानंद डेयरी प्राइवेट लिमिटेड' और 'विद्यानंद एग्रो फीड प्राइवेट लिमिटेड' के प्रवर्तक आनंद सतीश लोखंडे के बारामती स्थित दो परिसरों, इंदापुर स्थित एक परिसर और पुणे शहर स्थित दो परिसरों के अलावा कुछ पेशेवरों के ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की गई। लोखंडे और उनके परिवार के सदस्यों पर इन कंपनियों के कारोबार को डेयरी संचालन, पशु आहार व्यापार एवं दूध खरीद से पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने वाले 'अत्यधिक लाभदायक' उद्यमों के रूप में प्रस्तुत कर भोले-भाले निवेशकों को धोखा देने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ताओं ने इन कंपनियों द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं में बड़ी रकम निवेश की थी और इन रुपयों को प्राप्त करने के बाद आरोपियों ने इनका इस्तेमाल बताए गए व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया। उन्होंने बताया आरोपियों ने इन पैसों का कई खातों और संस्थाओं के माध्यम से गबन किया।

तेलंगाना सरकार 1,000 करोड़ रुपए का स्टार्टअप कोष बना रही : मुख्यमंत्री रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का कोष बना रही है। तेलंगाना सरकार और गूगल की साझेदारी में 'गूगल फॉर स्टार्टअप्स हब' पहल की शुरुआत के मौके पर रेड्डी ने कहा कि उनकी दृष्टि है कि हैदराबाद सिर्फ स्टार्टअप ही नहीं, बल्कि 'यूनिकॉर्न' कंपनियों का भी केंद्र बने। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर से जुड़ी कम-से-कम 100 स्टार्टअप फर्मों को यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की कंपनी) का दर्जा हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। रेडडी ने कहा, आज, तेलंगाना सरकार और गूगल आपके लिए एक सहायता प्रणाली बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। मेरी सरकार 1,000 करोड़ रुपए का स्टार्टअप कोष बना रही है।

श्रम मंत्रालय ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ प्रारंभिक समझौते पर किए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने देश में रोजगार अवसर बढ़ाने, कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल के विकास एवं कार्यबल की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, यह सहयोग रोजगार संबंधों को विस्तारित करने, एआई-आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने और भारत के कार्यबल को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बयान में कहा गया कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला की उपस्थिति में इस आशय के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट अपने व्यापक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से 15,000 से अधिक नियोक्ताओं एवं भागीदारों को मंत्रालय के 'नेशनल करियर सर्विसेज' (एनसीएस) मंच पर आने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि यह साझेदारी भारत के अनुकूल जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, डिजिटल रूप से कुशल एवं भविष्य के लिए तैयार कार्यबल खड़ा करने की साझा महत्वाकांक्षा को दर्शाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विधानसभा में घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध रोकथाम विधेयक पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को राज्य विधानसभा में भाजपा के विरोध के बीच कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक पेश किया जिसमें एक लाख रुपये तक के जुर्माने और 10 साल तक की कैद का प्रावधान किया गया है। राज्य मंत्रिमंडल ने चार दिसंबर को इस विधेयक को मंजूरी दी थी।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इस विधेयक को विधानसभा में पेश किया। विधेयक के अनुसार, किसी भी प्रकार का ऐसा व्यक्तव्य-चाहे वह बोले गए शब्दों के माध्यम से हो, लिखित रूप में हो, इशारों या दृश्यमान प्रतीकों द्वारा हो, इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से हो या किसी अन्य तरीके से-जो सार्वजनिक रूप से किसी जीवित या मृत व्यक्ति, किसी वर्ग, समूह या समुदाय के प्रति

भाजपा ने किया विरोध

पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, ''निश्चित रूप से घृणास्पद भाषण (रोकथाम) सरकार के एजेंडे का हिस्सा है। आप घृणास्पद भाषण को होने नहीं दे सकते। हमें राज्य में शांति, कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है।'' पूर्वाग्रह आधारित हित का अर्थ है और इसमें धर्म, जाति, समुदाय, लिंग, लैंगिक पहचान, यौन

चोट पहुंचाने, असहमति, शत्रुता, द्वेष या बुरे इरादे से किया गया हो और किसी पक्षपाती हित की पूर्ति के उद्देश्य से हो, उसे घृणास्पद भाषण माना जाएगा।

धर्म, जाति, नस्ल या समुदाय, लिंग, लैंगिक पहचान, यौन अभिविन्यास, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, दिव्यांगता या जनजाति के आधार पर किसी भी प्रकार का पूर्वाग्रह भी घृणास्पद भाषण की श्रेणी में रखा गया है। परमेश्वर ने सदन में विधेयक पेश करने की अनुमति मांगी और अध्यक्ष यू.टी खादर ने इसे ध्वनि मत के लिए रखा, तो विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने 'नहीं' के नारे लगाकर इसका विरोध किया। हालांकि, सुनील कुमार जैसे कुछ भाजपा सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की, फिर भी अध्यक्ष ने सदन में विधेयक पेश करने की प्रक्रिया जारी रखी।विधानसभा में विधेयक पेश होने के बाद अभिविन्यास, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, दिव्यांगता या जनजाति के आधार पर पूर्वाग्रह शामिल हैं। 'घृणा अपराध' को घृणास्पद भाषण के संचार के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें इसे तैयार करना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना शामिल है। घृणास्पद भाषण का संचार ऐसी अभिव्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है जो सार्वजनिक रूप से मौखिक, मुद्रित, प्रकाशन, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या अन्य साधनों के माध्यम से ऐसे घृणास्पद भाषण को व्यक्त करती हो। विधेयक में प्रावधान है कि घृणा अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम एक वर्ष कारावास की सजा दी जाएगी, जिसे सात वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है और उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, दोबारा या बार-बार किए गए अपराध के लिए सजा कम से कम दो वर्ष होगी, जिसे 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है और उस पर एक लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

बुधवार को बेलगावी में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के नए अध्यक्ष चुने गए जाने-माने क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और चर्चा की।

केएससीए अध्यक्ष प्रसाद और टीम ने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद और उनकी टीम ने बुधवार को बेलगावी के स्टेडियम का दौरा किया और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या तथा उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात करके एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शीर्ष स्तरीय क्रिकेट की वापसी के तरीकों पर चर्चा की।

प्रसाद ने उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर और सचिव संतोष मेनन के साथ बेलगावी में केएससीए स्टेडियम की स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ अनुभवी प्रशासक विनय मृत्युंजय और केएससीए की धारवाड़ डिवीजन के संयोजक अविनाश पोटदार भी शामिल थे। उन्होंने पूरे राज्य में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के तरीकों पर विचार किया।

प्रसाद ने दौरे के बाद कहा, बेलगावी, शिमोग्गा, तुमकुरु, हुब्बल्ली और अन्य सभी केंद्रों में आने वाले दिनों में विकास होगा क्योंकि हमारा ध्यान क्रिकेट को फिर से मजबूत करने और राज्य क्रिकेट के अच्छे दिन वापस लाने पर है।

प्रसाद ने कहा कि केएससीए के नए प्रशासकों ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शीर्ष स्तरीय क्रिकेट वापस लाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अन्य अधिकारियों के साथ पहले ही बातचीत शुरू कर दी है।

केएससीए की ओर से जारी बयान में कहा गया है, बैठक के दौरान वेंकटेश प्रसाद के नेतृत्व में चुनी गई केएससीए की नई प्रबंध समिति ने राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। बयान के अनुसार, वेंकटेश प्रसाद ने माननीय मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दर्शकों के साथ क्रिकेट मैच फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमति देने का भी अनुरोध किया जिससे कि बेंगलूरु में शीर्ष स्तरीय क्रिकेट की वापसी हो सके। यहां के स्टेडियम को अधिकारियों से जरूरी मंजूरी नहीं मिलने के बाद महिला एकदिवसीय विश्व कप के मैच बेंगलूरु से दूसरे जगह स्थानांतरित करने पड़े थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के आईपीएल जीत के जश्न के दौरान चार जून को स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद से चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई बड़ा मैच नहीं हुआ है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव संतोमी मेनन, उपाध्यक्ष सुजीत सोमसुंदर, पूर्व कोषाध्यक्ष विनय मृत्युंजय और अन्य उपस्थित थे।

कैबिनेट बैठक के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैच की इजाजत देने पर फैसला करेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मुकाबलों की इजाजत देने पर फैसला बृहस्पतिवार की कैबिनेट बैठक में चर्चा के बाद किया जाएगा। सर्किट हाउस में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद से मिलने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, हमारा चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट मैच को रोकने का कोई इरादा नहीं है लेकिन हमें भीड़ नियंत्रित करने के उपायों के बारे में सोचना होगा।

उन्होंने कहा, हमें माइकल डी कुन्हा की समिति के सुझावों को भी धीरे-धीरे लागू करना होगा। वेंकटेश प्रसाद भी इससे सहमत हैं। जून में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत का जश्न त्रासदी में बदल गया जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से अधिक प्रशंसक घायल हो गए। शिवकुमार ने भरोसा दिलाया कि सरकार राज्य की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाए बिना क्रिकेट को बढ़ावा देने और प्रशंसकों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर व्यक्ति से 48 लाख रुपये ठगने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु शहर के एक निवासी को उच्च गुणवत्ता वाली आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराने के बहाने उससे 48 लाख रुपये ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान विजय प्रधान चित्तौड़िया (42) और मनोज सिंह (29) के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के सांगली जिले के मिराज तालुक के मूल निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों के पास से 17 तरह की आयुर्वेदिक दवाएं, अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल टेंपो ट्रैवलर और 19.50 लाख रुपये नकदी जब्त की गई है।

पुलिस ने बताया कि जब्त की गई दवाओं, नकदी और वाहन का कुल मूल्य लगभग 23.50 लाख रुपये है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और देश के अन्य हिस्सों में सड़क किनारे तंबू लगाकर विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के नाम पर घटिया गुणवत्ता वाली दवाएं बेचकर लोगों को धोखा दे रहे थे।

अधिकारी के अनुसार, यह मामला 22 नवंबर को तब सामने आया, जब व्हाइटफील्ड निवासी पीड़ित ने ज्ञानभारती पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में पीड़ित ने कहा कि तीन साल पहले शादी के समय से ही वह यौन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। उसने कहा कि इलाज की तलाश में वह केएलई लॉ कॉलेज के पास सड़क किनारे लगाए गए एक तंबू में पहुंचा, जहां मूत्र संबंधी बीमारियों की दवाएं बेची जा रही थीं।

अधिकारी ने कहा, तंबू में मौजूद एक व्यक्ति ने पीड़ित को बताया कि उसके 'गुरुजी' ऐसी समस्याओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध कराते हैं। 'गुरुजी' को मौके पर बुलाया गया और पीड़ित से मिलवाया गया। 'गुरुजी' ने दावा किया कि वह एक से दो लाख रुपये प्रति ग्राम की कीमत वाली उच्च गुणवत्ता वाली दवा उपलब्ध करा सकते हैं और पीड़ित से 48 लाख रुपये वसूल लिए। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर घटिया गुणवत्ता वाली दवा की आपूर्ति की, जिससे पीड़ित के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर ज्ञानभारती पुलिस थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि खुद को गुरुजी' के रूप में पेश करने वाला विजय तेलंगाना के महबूबनगर में है, जहां से उसे 27 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान विजय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और अपने साथी की पहचान भी बता दी, जिसके बाद मनोज को एक दिसंबर को तेलंगाना के साइबराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस नेता हरिप्रसाद ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

बेलगावी। कांग्रेस से विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) बी के हरिप्रसाद ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा है कि संगठन कई आपराधिक घटनाओं में शामिल है। हरिप्रसाद ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मांग को पूरा करने के लिए कहा है क्योंकि यह कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र का हिस्सा थी।

हरिप्रसाद ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में से एक, गणेश गौड़ा की चिक्कमगलूरु जिले में हत्या कर दी गई। उनकी हत्या बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने की। बजरंग दल के कार्यकर्ता हत्या के कई मामलों में शामिल रहे हैं।

एमएलसी ने कहा, साल 2016 या 2017 में उडुपी में इसी संगठन हिंदू जागरण वेदिके वगैरह ने हिंदू समुदाय से आने वाले भाजपा के एक मंडल अध्यक्ष की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार को इन संगठनों पर रोक लगा देनी चाहिए, जो शांतिपूर्ण नागरिक समाज के लिए खतरा हैं। चिक्कमगलूरु में पांच दिसंबर को दो गुटों के बीच हुई झड़प के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता गणेश गौड़ा (38) की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। वह ग्राम पंचायत के सदस्य थे।

विधानसभा में औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन से संबंधित एक विधेयक सहित 12 विधेयक पेश

बेलगावी। कर्नाटक विधानसभा में बुधवार को औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन (कर्नाटक संशोधन) विधेयक, 2025 समेत 12 विधेयक पेश किए गए। विधेयक के अनुसार, यह साबित करने का भार उस व्यक्ति पर होगा कि ऐसी दवा या सौंदर्य प्रसाधन गलत तरीके से प्रचारित या मिलावटी नहीं है, जिसके कब्जे से दवा या सौंदर्य प्रसाधन जब्त किया गया। इसके अलावा, कर्नाटक श्रम कल्याण कोष (संशोधन) विधेयक, 2025 भी पेश किया गया। ये विधेयक कर्नाटक श्रम कल्याण कोष अधिनियम में संशोधन करके ''प्रतिष्ठानों'' की परिभाषा को 50 के बजाय 10 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के रूप में पुन: परिभाषित करता है। कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 विधानसभा में पेश किया गया, जिसमें 'रानीचन्नम्मा विश्वविद्यालय' का नाम बदलकर 'कित्तूर रानीचन्नम्मा विश्वविद्यालय' करने का प्रावधान है।

इंडिगो ने बेंगलूरु हवाई अड्डे से 60 से अधिक उड़ानें रद्द कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/बेंगलूरु। इंडिगो ने बुधवार को बेंगलूरु हवाई अड्डे से 60 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं जबकि विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने एक दिन पहले दावा किया था कि कंपनी का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। एक सूत्र ने बताया कि इंडिगो ने बुधवार को 61 उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं।

मंगलवार को सरकार द्वारा इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत या प्रतिदिन स्वीकृत लगभग 2,200 उड़ानों में से लगभग 220 उड़ानों की कटौती किए जाने और इंडिगो द्वारा छह महानगरों से 460 उड़ानें रद्द किए जाने के बाद एल्बर्स ने दावा किया कि ''कंपनी फिर से पटरी पर आ गई है'' और इसका परिचालन ''स्थिर'' है।

उन्होंने यह भी कहा कि लाखों ग्राहकों को उनके टिकट का पूरा शुल्क लौटाया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई, लेकिन उन लोगों को मुआवजे के मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी जिनकी उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं, जिनकी उड़ानों में बहुत देरी हुई या जिनकी सहमति के बिना उड़ानें पुनर्निर्धारित की गईं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के यात्री चार्टर के मुताबिक, अगर कोई विमानन कंपनी प्रस्थान से कम से कम दो हफ्ते पहले यात्री को उसकी उड़ान रद्द होने की सूचना देने में विफल रहती है, तो मुआवजा देना कानूनी रूप से अनिवार्य है और इसकी राशि उड़ान की अवधि पर निर्भर करती है।

सुरक्षा नियमों को लेकर सख्त योजना बनाने में विफल रहने के बाद इंडिगो ने देशभर में हजारों उड़ानें रद्द कर दी हैं जिससे यात्रियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, अन्य घरेलू विमानन कंपनियों के किराए में वृद्धि हो रही है और पूरे भारत के हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मची हुई है।

एक दिसंबर से शुरू हुई यह स्थिति पांच दिसंबर तक जारी रहने के बाद सरकार ने अंततः हस्तक्षेप किया और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एल्बर्स और इंडिगो के मुख्य परिचालन अधिकारी इसिड्रो प्रोक्रेरास, जो राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली कंपनी के लिए जवाबदेह प्रबंधक भी हैं, को कारण बताओ नोटिस जारी किया और हवाई किराए पर सीमा लगाने का भी आदेश दिया।

इलेक्ट्रिक टिपर

बेंगलूरु के तुमकुरु रोड स्थित बीआईसीआई ग्राउन्ड में एक्सकॉन-2025 में प्रोपेल इंडस्ट्रीज द्वारा भारत के सबसे बड़े नेक्स्ट-जेन इलेक्ट्रिक टिपर्स और मोबिलिटी सॉल्यूशंस पोर्टफोलियो को पेश किया। इस मौके पर चार नए टिपर मॉडल, बिल्कुल नए कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म और एक कॉम्प्रिहेंसिव आफ्टर-सेल्स अपटाइम सॉल्यूशन के साथ अपने इलेक्ट्रिक माइनिंग और कंस्ट्रक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ाने की घोषणा की। इस मौके पर मुख्यअतिथि कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संस्थापक और सीएमडी डॉ. सौम्या रंजन सामल और राजिराज मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर जे रुद्रशेखर मौजूद थे।

कांग्रेस विधानसभा दल की बैठक में विधायकों ने उठाई विकास निधि की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में कांग्रेस विधानसभा दल (सीएलपी) की बैठक के दौरान पार्टी विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विकास निधि की मांग और नौकरशाहों की उदासीनता जैसे मुद्दे उठाए। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस विधायकों ने मंगलवार को नेतृत्व के समक्ष यह बात रखी कि केवल गारंटी योजनाएं ही पर्याप्त नहीं हैं, विकास भी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के अलावा मंत्री और विधायक भी शामिल हुए। सीएलपी की बैठक के दौरान, कुछ कांग्रेस विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए धन की मांग की और नौकरशाहों के कामकाज के संबंध में अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं। उन्होंने बताया कि विधायकों ने विकास संबंधी मुद्दों से जुड़ी फाइल को अधिकारियों द्वारा रोके जाने और भ्रष्टाचार के कुछ आरोपों का मुद्दा भी उठाया।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने विधायकों को आश्वासन दिया कि प्रत्येक विधायक को दिए जाने वाले 50 करोड़ रुपये में से राशि चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी और वह इस संबंध में वित्त विभाग से बात करेंगे। इस बैठक के दौरान सिद्दरामय्या ने पार्टी विधायकों से उत्तर कर्नाटक से संबंधित मुद्दों तथा गन्ना और मक्का किसानों के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ विपक्ष के हमलों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने को कहा। मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा कि केंद्र सरकार गन्ना और मक्का किसानों का समर्थन नहीं कर रही।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य सरकार के खिलाफ किसानों को भड़काने का आरोप भी लगाया। सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार किसानों को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

श्री चेन्नाकेशव स्वामी मंदिर: 103 साल में बनकर तैयार हुआ भगवान विष्णु को समर्पित ये मंदिर

बेलूर/दक्षिण भारत। हर मंदिर का अपना विशिष्ट इतिहास और पूजनीय देवी-देवताओं की कहानी है। बेलूर में स्थित चेन्नाकेशव मंदिर ऐसा ही एक अद्भुत मंदिर है, जिसकी हर दीवार और स्तंभ अलग इतिहास और नक्काशी की गवाही देता है। यह मंदिर अब कर्नाटक की धरोहर बन चुका है, और पर्यटक दूर-दूर से इस अद्भुत और प्राचीन मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं। कर्नाटक के बेलूर में स्थित श्री चेन्नाकेशव स्वामी मंदिर बेहद खास है। कहा जाता है कि इस मंदिर को बनाने में 103 साल लगे और तीन पीढ़ियों की मेहनत लगी। मंदिर में 48 अलग-अलग स्तंभ हैं, जिनमें से एक स्तंभ भी दूसरे स्तंभ से मेल नहीं खाता है। हर स्तंभ पर अलग शैली, अलग परंपरा और अलग नक्काशी दिखती है। मंदिर का निर्माण होयसल साम्राज्य के दौरान 11वीं से 14वीं शताब्दी के

दौरान शुरू हुआ था, और मंदिर को बनाने में तीन पीढ़ियों ने अपना योगदान दिया था। बताया जाता है कि मंदिर का निर्माण राजा विष्णुवर्धन ने 1117 ई. में शुरू करवाया था। श्री चेन्नाकेशव स्वामी मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित मंदिर है। मंदिर की दीवारों पर भगवान विष्णु के 10 अलग-अलग रूपों को बारीक नक्काशी से उकेरा गया है। दीवारों पर अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा को भी इतनी सफाई से बनाया गया है कि देखने से लगता है कि निर्जीव पाषाण भी बोल उठेंगे। इसके अलावा, बाघ की प्रतिमाएं भी देखने को मिलेंगी, क्योंकि बाघ होयसल साम्राज्य का प्रतीक चिन्ह माना गया। यह साम्राज्य अपनी अद्भुत वास्तुकला के लिए जाना गया।

अपने समय में होयसल साम्राज्य ने दक्षिण भारत में 100 से अधिक मंदिरों का निर्माण कराया था, जिनमें से वर्तमान में होयसल वास्तुकला के 92 मंदिर मौजूद हैं। श्री चेन्नाकेशव स्वामी मंदिर का निर्माण सेलखड़ी पत्थर से किया गया है। पत्थर बाकी पत्थरों की तुलना में मुलायम होता है और इस पर नक्काशी करना आसान होता है।

राजस्थान पर सबका भरोसा क्योंकि यहां हर वादा निभाया जाता है : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में जयपुर के जेईसीसी सभागार में प्रदेश के पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 के ऐतिहासिक समारोह का बुधवार को भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा सहित कई नामी उद्योगपति, देश-विदेश से आए प्रवासी राजस्थानी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़ेने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वे मातृभूमि का कर्ज चुकाने यहां अधिक से अधिक निवेश करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में सदा मदद की है। प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन राजस्थान के प्रवासियों के आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने राजस्थान को भक्ति और शक्ति के साथ लक्ष्मीपुत्रों की धरती बताया। उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठियाजी की पंक्तियां 'धरती धोरा री' सुनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में स्थाई वास कराने की भी पहल करें। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पहल से एक साथ इतने प्रवासी राजस्थानियों का यह भव्य सम्मेलन भविष्य के लिए बहुत बड़ी निवेश संभावनाएं लिए है।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश में आएं, यहां उन्हें मानव शक्ति और ज़मीन आदि सभी सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान अब सूखा क्षेत्र नहीं है। यह हरा भरा क्षेत्र है। उन्होंने वाल्मीकि रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब भगवान राम ने लंका विजय की तो सोने की लंका की लक्ष्मण ने प्रशंसा की। इस पर राम ने कहा कि सोने की लंका मुझे नहीं सुहाती। राम ने कहा 'जननी जन्म भूमि स्वर्गादपि गरीयसी'। जननी और जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान होती है। उन्होंने मातृभूमि राजस्थान के विकास के लिए प्रवासियों को यहां हर क्षेत्र में सहयोग करने, उद्यमिता से युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान की अपनत्व भरी 'पधारो म्हारे देश' की संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रवासी यहां पधारें। उनका स्वागत और अभिनंदन है।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राजस्थान को परंपरा, आधुनिकता, विकास और विरासत के अद्भुत संतुलन वाला राज्य बताते हुए कहा कि प्रदेश के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड, डिपेण्डेबिलिटी, डिसाइसिवनेस, डिवोशन, डिमाण्ड और डाइवर्सिटी की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत इसकी डेमोग्राफिक डिविडेंड यानी विशाल युवा शक्ति है, जिनके दम पर राज्य तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

गोयल ने प्रदेश के नेतृत्व की निर्णय क्षमता, विश्वसनीयता और वादों को निभाने की परंपरा को राज्य की विशेष पहचान बताते हुए कहा कि राजस्थान पर भरोसा इसलिए किया जाता है क्योंकि यहां हर वादा निभाया जाता है, यही डिपेंडेबिलिटी राज्य को अनूठा बनाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में सबको जोड़ने का काम किया है। उन्होंने प्रदेश में उद्योग और निवेश के लिए राइजिंग राजस्थान की पहल की और प्रवासी राजस्थानी दिवस इसमें दूसरा महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक प्रवासी राजस्थानी बसते हैं, जिन्होंने अपनी कर्मभूमि और जन्मभूमि दोनों से गहरा जुड़ाव बनाए रखा है। प्रवासी राजस्थानियों ने न केवल सामाजिक कार्यों में बल्कि देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में भी पूरी निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे दुनिया के हर हिस्से में राजस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं और अपनी मेहनत, संघर्ष और सफलता से राजस्थान की असली पहचान स्थापित कर रहे हैं।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा कम समय में धरातल पर उतर चुका है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से राजस्थान की हस्तकला और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दी जा रही है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, ऊर्जा, पर्यटन और सामाजिक क्षेत्र में राजस्थान तेजी से उभर रहा है और यह प्रवासी व स्थानीय उद्योगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

गोयल ने कहा कि भारत आज 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और 2047 तक दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति बनने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि इस संकल्प को पूरा करने में हर राजस्थानी का योगदान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राजस्थान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, चाहे वह औद्योगिक विकास हो, पर्यटन हो, ऊर्जा क्षेत्र हो या सामाजिक उत्थान। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रवासी राजस्थानियों के सामूहिक योगदान और राज्य सरकार के प्रयासों को देखते हुए दुनिया की कोई ताकत राजस्थान को देश का नंबर एक राज्य बनने से रोक नहीं सकती।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्वभर से आए प्रवासी राजस्थानियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और वैश्विक पहचान का मिलन है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी रहने वाले प्रवासी राजस्थानी आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हैं और उन्होंने देश-दुनिया में राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। प्रवासी राजस्थानियों के योगदान और उनके सम्मान के उत्सव के रूप में हमने हर वर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस वादे को पूरा करते हुए आज पहली बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश और प्रवासी समुदाय के जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर स्थापित करने की घोषणा की। इनमें से 9 विदेशों और 5 देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने अगले वर्ष फिर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन की घोषणा भी की। उन्होंने प्रवासी समुदाय से आग्रह किया कि वे राजस्थान आएं और खुशहाल एवं आधुनिक राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के हितों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग का गठन किया गया है। यह विभाग संवाद, सहयोग, निवेश तथा सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगा। इसी क्रम में 'प्रवासी राजस्थानी नीति' आज जारी की गई है, जो विश्वभर में बसे राजस्थानियों को पहचान, सुविधा और निवेश के लिए रोडमैप प्रदान करेगी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमने गत वर्ष राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के समझौते किए थे। आज एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग के साथ 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश 24 से अधिक नई नीतियों के साथ निवेश के लिए देश के सबसे पसंदीदा राज्य के रूप में उभरा है। प्रदेश में 23 हजार करोड़ रुपये के नए ट्रांसमिशन नेटवर्क, सौर ऊर्जा में 22,860 मेगावाट क्षमता तथा माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना जैसे बड़े कदम प्रदेश को तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

दो व्यक्तियों पर जानलेवा हमला करने वाली 'कनकटी' बाघिन बाड़े में लौटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। पड़ोसी रणथंभोर में दो व्यक्तियों पर कथित तौर पर जानलेवा हमला करने वाली बाघिन 'एमटी-8' उर्फ 'कनकटी' को सड़क पर घूमते देखे जाने से क्षेत्र में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई और यातायात थम गया। बाघिन यहां मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य में अपने निर्धारित 82 वर्ग किलोमीटर के बाड़े से बाहर निकल गई थी। मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य (एमएचटीआर) के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) मुथु एस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बाघिन को 'रेडियो कॉलर' लगाया गया है और वह मंगलवार सुबह अपने बाड़े से निकल गई थी। हालांकि वह मंगलवार को बाद में जंगल में अपने स्थान पर लौट आई। उन्होंने बताया कि 'कनकटी' इस साल की शुरुआत में रणथंबोर वन क्षेत्र में दो लोगों की जान लेने के कारण कुख्यात हो गई थी, जिसके बाद उसे 19 जून को एमएचटीआर में स्थानांतरित कर दिया गया था। 'कनकटी' को लगभग दो महीने तक 21 हेक्टेयर के इस बाड़े में रखा गया था जिसके बाद 15 अगस्त को उसे फिर से जंगल में छोड़ा गया जहां उसे एमएचटीआर के दारा वन क्षेत्र में 82 वर्ग किलोमीटर के बाड़े में रखा गया। मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे बाघिन ने अपने निर्धारित बाड़े से निकलकर सड़क पार कर ली, जिससे लोगों में दहशत फैल गई और दोनों तरफ यातायात कुछ देर के लिए थम गया। बाघिन की उपस्थिति को भांपकर कुछ मवेशी तुरंत वहां से भाग निकले, जबकि कुछ पुलिसकर्मियों और राहगीरों को सड़क पार करती बाघिन का मोबाइल फोन से वीडियो बनाते देखा गया।

मुथु ने बताया कि बाघिन बटवाड़ा रोड को पार कर गई, जो एमएचटीआर का हिस्सा है और फिर दिन में बाद में दारा वन क्षेत्र में स्थित अपने बाड़े में लौट आई। डीसीएफ ने बताया कि बाघिन को रेडियो कॉलर लगाया गया है और वन विभाग की तीन टीम 24 घंटे उस पर नजर रख रही हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि बाघिन पर नजर रखी जा रही है इसलिए सड़क के आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर दी गई है।

डीसीएफ ने बताया कि वन विभाग की टीम विशेष निगरानी बरत रही है क्योंकि इसी तरह की एक घटना में 20 साल पहले एक बाघिन रणथंबोर वन क्षेत्र से भटकने के बाद ट्रेन की चपेट में आ गई थी। वन्यजीव प्रेमी बृजेश विजयवर्गीय ने बाघिन के घूमते पाए जाने को एमएचटीआर में निगरानी में लापरवाही बरते जाने और अपर्याप्त सुरक्षा उपायों का परिणाम बताया। इसके लिए उन्होंने वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया। विजयवर्गीय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 20 साल पहले एक बाघिन की आकस्मिक मृत्यु से सबक लेते हुए वन विभाग को जंगली जानवरों को सड़क या रेल पटरी पार करने से रोकने के लिए बाड़ लगानी चाहिए थी। बाड़ नहीं होने के कारण ही बाघिन 'कनकटी' बाहर निकल आई और सड़क पार कर गई, जिससे उसकी जान जोखिम में पड़ गई।

वेदांता राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली/जयपुर। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाली वेदांता लिमिटेड अपने सभी कारोबारी खंडों में उत्पादन को दोगुना करने के लिए राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बुधवार को यह घोषणा की। वेदांता के बयान के मुताबिक, अग्रवाल ने 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के अवसर पर कहा कि समूह एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से जस्ता, सीसा, चांदी, तेल एवं गैस तथा नवीकरणीय ऊर्जा में अपना उत्पादन दोगुना करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में तेल, गैस और खनिजों के प्रचुर भंडार हैं, जो इसे भारत की अर्थव्यवस्था को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता प्रदान करते हैं।

वेदांता समूह के चेयरमैन ने कहा, जिस प्रकार पंजाब देश को भोजन उपलब्ध कराता है, उसी प्रकार राजस्थान में आने वाले वर्षों में दुनिया को खनिज और प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराने की क्षमता है। कंपनी राज्य में एक जिंक पार्क की स्थापना के माध्यम से छोटे और मध्यम आकार के जस्ता उत्पादन उद्योगों को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। इसके अलावा वेदांता राजस्थान में उत्तर भारत का पहला फॉस्फेट उर्वरक संयंत्र भी लगा रही है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवा सहभागिता आवश्यक : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रक्रिया का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन कर इसमें सहभागी बनकर सक्रिय योगदान करना चाहिए ताकि भारतीय लोकतंत्र के स्वातंत्र्य, समता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्र के सर्वतोमुखी एवं सर्वसहभागी विकास के महान स्वप्न को साकार किया जा सके। राजेश्वर सिंह ने बुधवार को सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, जयपुर की 'ज़ेवियर्स इलेक्टोरल लिटरेसी सोसायटी', उन्नत भारत अभियान एवं जेवियर्स वोकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार विषयक युवा गोष्ठी में ये बात कही।

कार्यक्रम में राजेश्वर सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, विकास संबंधी मुद्दों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के आलोचनात्मक अध्ययन एवं अनुशीलन में प्रवृत्त होने तथा अपनी बुनियादी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित किया ताकि वे शिक्षित, सक्षम एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि व दूरदृष्टि संपन्न, क्रियाशील एवं विकासोन्मुखी सरकार का चुनाव कर सकें।

उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति , सिद्धान्त, कार्यक्रम, कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए । उन्हें प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में प्रो. सुधीर सोनी ने 'वोटर रजिस्ट्रेशन ऐप' के बारे में बताया कि यह ऐप युवा मतदाताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाता है। इसके बाद विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ली जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने और निभाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी समझ को और गहरा किया। सेंट जेवियर कॉलेज के प्राचार्य ने अतिथियों को सम्मान चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापन किया।

घर में आग लगने से दो बहनें जिंदा जलीं

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने की घटना में दो बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों बहनों की मौत जलने से गई। उन्होंने बताया कि यह घटना मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के पीपलवाड़ा नदी गांव में मंगलवार देर रात हुई। थानाधिकारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि मंगलवार देर रात पीपलवाड़ा नदी गांव में एक घर में आग लग गई। उन्होंने बताया कि घर में सो रही नाबालिग बिट्टू (8) एवं प्रिया (13) बुरी तरह झुलस गई और उनकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि इनके शव आज पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए। उन्होंने बताया कि इस अग्निकांड में दर्जन भर बकरियों की भी जल कर मौत हो गयी। घटना के समय लड़कियों के अभिभावक बाहर गए हुए थे। अधिकारियों के अनुसार संभवत: शार्ट सर्किट के कारण हादसा हुआ हालांकि मामले की जांच की जा रही है।

मातृभूमि का कर्ज चुकाने प्रवासी राजस्थान में निवेश के लिए आगे आएं : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया है कि वे मातृभूमि का कर्ज चुकाने यहां अधिक से अधिक निवेश करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में सदा मदद की है। प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन राजस्थान के प्रवासियों के आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने राजस्थान को भक्ति और शक्ति के साथ लक्ष्मीपुत्रों की धरती बताया। उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठियाजी की पंक्तियां धरती धोरा री सुनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में स्थाई वास कराने की भी पहल करें। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पहल से एक साथ इतने प्रवासी राजस्थानियों का यह भव्य सम्मेलन भविष्य के लिए बहुत बड़ी निवेश संभावनाएं लिए है। राज्यपाल बागड़े ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वे राजस्थान आएं, यहां उन्हें मानव शक्ति और ज़मीन आदि सभी सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाएगी। बागड़े बुधवार को राजस्थानी प्रवासी दिवस पर आयोजित सम्मेलन में सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दियाकुमारी, प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ आदि की उपस्थिति में राज्यपाल बागड़े ने वाल्मीकि रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब भगवान राम ने लंका विजय की तो सोने की लंका की लक्ष्मण ने प्रशंसा की।

न्यायालय परिसर में फिर मिली बम की धमकी

जयपुर। जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर में विस्फोटक रखे होने की धमकी ई-मेल के जरिए बुधवार को लगातार तीसरे दिन मिली, पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक जांच पड़ताल के बाद धमकी को अफवाह बताया। अजमेर जिला कलेक्ट्रेट एवं प्रसिद्ध दरगाह को भी बुधवार को ई-मेल से ऐसी ही धमकी मिली। पुलिस के अनुसार अदालत परिसर में विस्फोटक रखे होने धमकी ई-मेल के जरिए मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता एवं अन्य जांच एजेंसियां पहुंची और मौके की तलाशी ली।

राज्यपाल ने 'प्रगति पथ' प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी) पर 'प्रगति पथ' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रदर्शनी में प्रदेश के बदलते औद्योगिक परिदृश्य, जल सुरक्षा एवं सततता, एक जिला-एक उत्पाद, स्वस्थ राजस्थान-खुशहाल राजस्थान, शिक्षित भारत-डिजिटल भारत, राजस्थान रिफाइनरी, खनन क्षेत्र, इन्फ्रा एवं कनेक्टिविटी तथा हमारी विरासत-हमारी पहचान की थीम पर पैनल एवं वीडियो प्रदर्शित किए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस प्रदर्शनी में दर्शायी गई प्रदेश की विकास यात्रा की जानकारियों से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं भूपेन्द्र यादव ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति की सराहना की।

लोकसभा: राहुल ने गृह मंत्री को चर्चा की चुनौती दी, शाह ने कहा मेरे भाषण का क्रम मैं तय करुंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वह 'वोट चोरी' से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों पर चर्चा करा लें।

दरअसल निचले सदन में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया जिनमें नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाये थे। इस पर राहुल गांधी ने कहा, ''अमित शाह जी, मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे तीनों संवाददाता सम्मेलनों पर चर्चा कर लेते हैं।'' राहुल गांधी ने पिछले कुछ महीनों में तीन अलग-अलग संवाददाता सम्मेलनों के जरिये यह दावा किया था कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में 'वोट चोरी' की गई है।

सदन में चर्चा के दौरान शाह ने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी ने 5 नवंबर 2025 को एक प्रेस वार्ता में एक 'परमाणु बम' फोड़ा। उस 'परमाणु बम' में उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में एक ही घर में 501 वोट हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मकान नंबर 265 कोई छोटा मकान नहीं है, बल्कि एक एकड़ के पुश्तैनी भूखंड पर बने कई परिवारों का संयुक्त आवास है। लेकिन हर परिवार को अलग-अलग घर नंबर नहीं दिए गए हैं, इसलिए उनका मकान नंबर 265 ही लिखा है। और उनमें से एक परिवार की तो तीन पीढ़ियां साथ रह रही हैं।'' उनका कहना था, ''जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चुनी गई तब से यह नंबर ऐसा ही रहा है। यह न तो फर्जी घर है और न ही फर्जी वोट है।''

शाह ने इसी तरह राहुल के कुछ अन्य आरोपों को भी खारिज कर दिया। इस पर राहुल ने उन्हें चर्चा करा लेने को कहा। इस दौरान कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्य भी गृह मंत्री के बयान पर आपत्ति जताते देखे गए और अपने स्थान पर खड़े हो गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि गृह मंत्री का भाषण पूरा होने के बाद विपक्ष के सदस्य अपने सवाल पूछ सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस के कुछ सदस्य शाह के स्पष्टीकरण देने पर जोर देते रहे। इस दौरान अमित शाह ने थोड़े तीखे लहजे में कहा, ''मैं 30 साल से विधानसभा और संसद में हूं। संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। वह कह रहे हैं कि पहले उनकी बात का जवाब दें। आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करुंगा। उन्हें धैर्य होना चाहिए। मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते।'' उधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ''अमित शाह का जवाब पूरी तरह घबराहट भरा और डिफेंसिव है।''

बिहार में बंद होगा 'गुंडा बैंक', एआई आधारित कैमरों से होगी निगरानी: सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि राज्य में चल रहे 'गुंडा बैंक' के अवैध कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। सम्राट ने स्पष्ट किया कि सूद पर पैसा देकर मनमाना ब्याज वसूलने और लोगों को जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर करने वाली इस अवैध व्यवस्था को बंद करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

उल्लेखनीय है कि बिहार में सूद पर पैसा देकर मनमाना ब्याज वसूलने वाले अवैध संस्थाओं को 'गुंडा बैंक' कहा जाता है।

चौधरी ने कहा कि राज्य में अब केवल भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत बैंक ही संचालित होंगे और 'गुंडा बैंक' के लिए बिहार में कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कैमरे लगाने की घोषणा भी की। गृहमंत्री ने बताया कि बिहार की सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने के लिए सभी जेलों में 10 हजार से अधिक कैमरे लगाए जा रहे हैं।

इसके अलावा रेलवे जंक्शनों, शहरों, चौक-चौराहों तथा शहरी और पंचायत क्षेत्रों के प्रवेश व निकास बिंदुओं पर अनिवार्य रूप से कैमरे स्थापित किए जाएंगे।

झारखंड में 15 दिसंबर से बाघों और वन्यजीवों की गणना शुरू होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के सभी वन क्षेत्रों में बाघों के साथ-साथ अन्य वन्य जीवों की गणना 15 दिसंबर से शुरू होगी। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पलामू बाघ संरक्षित क्षेत्र (पीटीआर) के मुख्य वन संरक्षक और फील्ड निदेशक एस आर नटेश को इस प्रक्रिया के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नटेश ने कहा, यह गणना 'इकोलॉजिकल ऐप' का उपयोग करते हुए डिजिटल तौर पर की जाएगी। भारत सरकार ने मुझे इस व्यापक गणना को संपन्न कराने के लिए राज्य का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल गणना के अलावा, जानवरों की गिनती भौतिक रूप से भी की जाएगी। ऐप आधारित गणना 22 दिसंबर तक पूरी हो जाएगी, जिसके बाद संरक्षित और गैर-संरक्षित वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की गिनती मानवीय सहायता से की जाएगी और इसके अप्रैल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि झारखंड में कुल 36 वन मंडल हैं, जिनमें से 31 सामान्य मंडल हैं। पांच वन्यजीव मंडल हैं, जिनमें पलामू स्थित बाघ आरक्षित क्षेत्र भी शामिल है। नोडल अधिकारी ने बताया कि इस अभ्यास के लिए लगभग 1,600 कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा और स्वयंसेवकों का भी सहयोग लिया जाएगा। झारखंड में पिछली बार अक्टूबर 2021 और मार्च 2022 के बीच बाघ गणना संपन्न हुई थी।

ओडिशा: आदिवासी महिला का कटा हुआ सिर मिला, सरकार ने इंटरनेट सेवाओं का निलंबन बढ़ाया

मलकानगिरि/भाषा। ओडिशा सरकार ने बुधवार को हिंसा प्रभावित मलकानगिरी जिले में इंटरनेट सेवाओं का निलंबन 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। पुलिस ने बताया कि एक आदिवासी महिला का कटा हुआ सिर नदी किनारे से बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, राखेलगुडा गांव की रहने वाली 51 वर्षीय लाके पोडियामी का धड़ चार दिसंबर को मिला था जबकि उसका कटा हुआ सिर लगभग 15 किलोमीटर दूर बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि कटा हुआ सिर कन्या आश्रम के पास पोटेरु नदी के किनारे मिला। राखेलगुडा और एमवी 25 दोनों गांवों में निषेधाज्ञा बरकरार है जबकि सरकार ने मलकानगिरी जिलाधिकारी की सिफारिश पर इंटरनेट सेवा निलंबन की अवधि 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है।

एम्बुलेंस के लिए समर्पित आपात लेन बनाई जाएं : राज्यसभा में जया बच्चन की मांग

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने बुधवार को राज्यसभा में मांग की कि देशभर की सड़कों पर एम्बुलेंस की आवाजाही के लिए समर्पित आपातकालीन लेन बनाई जाएं। उन्होंने कहा कि भारत में जहां किराना सामान 15 मिनट में और पिज़्ज़ा 30 मिनट में घर पहुंच जाता है, वहीं अस्पताल पहुंचने में देरी के कारण मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए जया ने कहा कि संसदीय स्वास्थ्य स्थायी समिति को भी अस्पताल पहुंचने में देरी से होने वाली मौतों के मुद्दे की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''एक देश में जहां क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए किराना सामान 15 मिनट में और पिज़्ज़ा 30 मिनट में घर पहुंच जाता है, वहां एम्बुलेंस ट्रैफिक में फंस जाती हैं, समर्पित आपातकालीन लेन न होने के कारण मरीज दम तोड़ देते हैं। यह स्थिति तब है जब उच्चतम न्यायालय ने 2018 में ऐसा करने का निर्देश दिया था। इन त्रासदियों की निगरानी करने के लिए कोई राष्ट्रीय डेटा भी नहीं है।''

उप्र में हो रहे हर गैर कानूनी काम में भाजपा के लोगों का हाथ : अखिलेश

नोएडा (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में जितने भी गैर कानूनी काम हो रहे हैं, उन सबमें भाजपा के लोगों का हाथ है। सपा अध्यक्ष बुधवार को एक कार्यक्रम के सिलसिले में गौतमबुद्ध नगर पहुंचे जहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर जोरदार हमला बोला और कहा कि विपक्ष की सक्रियता से भाजपा की नींद हराम है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''जब से कफ सिरप वाला मामला आया है, बुलडोजर का चालक चाबी लेकर और बुलडोजर छोड़कर भाग गया है। अब मुख्यमंत्री के पास ना चालक है ना चाबी है।'' यादव ने पूछा कि पहले तो बुलडोजर से न्याय मिलता था लेकिन अब बुलडोजर क्यों नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा, बुलडोजर इसलिए नहीं चल रहा है क्योंकि कफ सिरप के मामले में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के सजातीय लोग शामिल हैं, जिससे जांच कराई जा रही है वह भी उनके सजातीय हैं।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में कचरा स्थल पर पड़े मिले मतदाता पहचान पत्र

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के पास बुधवार को एक बोरा पड़ा मिला, जिसमें मतदाता फोटो पहचान पत्र भरे हुए थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय निवासियों ने शांतिपुर में कचरा स्थल के पास पड़े पहचान पत्र वाले बोरे को देखा और पुलिस को सूचित किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने स्थल का निरीक्षण किया और बोरा सत्यापन के लिए थाने ले जाया गया। मामले की जांच जारी है। शांतिपुर पंचायत समिति के एक सदस्य और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेता ने आरोप लगाया कि अन्य जिले के भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) कार्यकर्ताओं ने जानबूझकर ये पहचान पत्र फेंके। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने कहा, जहां मतदाता पहचान पत्र पाए गए, वह टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) का पंचायत क्षेत्र है।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं : कंगना रनौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं। उन्होंने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर पिछले एक साल से सदन में हंगामा किया।

भाजपा सांसद ने चर्चा में एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिए वक्तव्य का हवाला दिया और उन पर तंज कसा। रनौत ने यह भी कहा राहुल के भाषण के दौरान विपक्ष ने सदन में एक विदेशी महिला की तस्वीर प्रदर्शित कर यहां उसका मुद्दा बनाया, जबकि उन्होंने (महिला) सोशल मीडिया पर कई बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं गई हैं और उनका हरियाणा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन फिर भी इन लोगों ने बिना किसी सबूत के और बिना अनुमति के उनकी यहां तस्वीर उछाली...।'' उनका इशारा एक ब्राजीलियाई महिला की ओर था, जिनका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में होने का नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया था। भाजपा सांसद ने कहा, ''सबसे पहले इस सदन की तरफ से उन महिला से मैं माफी मांगती हूं। आजकल व्यक्तित्व अधिकार (के हनन) का भी बहुत बड़ा अपराध होता है। उसके बावजूद उनका यहां फोटो इस्तेमाल किया गया।'' उन्होंने 'वोट चोरी' के आरोपों पर कहा, ''कांग्रेस के लोग शायद यह समझ नहीं पा रहे हैं कि प्रधानमंत्री ईवीएम हैक नहीं करते, बल्कि लोगों के दिलों को हैक करते हैं।'' सांसद ने ईवीएम की जगह मतपत्रों के जरिये चुनाव कराये जाने की विपक्ष की मांग पर कहा, ''ये लोग दुहाई देते हैं कि पुराने जमाने के दकियानूसी... वो चिट, कागज पर लिख कर जो मतदान होता था, वह सबसे अच्छा था।'' उन्होंने कहा, ''आप लोग भूल गए इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण का केस। उस पर मैंने एक फिल्म भी बनाई है।''

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना गर्व की बात : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में सम्मिलित किए जाने को गर्व का पल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उस उत्सव की वैश्विक पहचान है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति व परंपरा की महत्ता को विश्वपटल पर और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' के माध्यम से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण से इस उपलब्धि के महत्व को रेखांकित किया। एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा, ''यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लिए इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अयोध्या प्रभु श्रेराम की पावन भूमि है। यहीं पर दीपावली की पहली ऐतिहासिक उत्सव परंपरा की शुरुआत हुई थी।'' उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल सांस्कृतिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं की आत्मा है। ऐसे में इस पर्व की वैश्विक मान्यता अयोध्या के आध्यात्मिक महत्व को और भी प्रखर बनाती है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भारत की बढ़ती सांस्कृतिक प्रतिष्ठा का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व स्तर पर अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति को व्यापक रूप से स्थापित किया है।'' उन्होंने कहा कि भारत की परंपराओं और उत्सवों को विश्व समुदाय द्वारा अपनाया जाना सकारात्मक संकेत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा व्यक्त की कि अयोध्या का शाश्वत प्रकाश मानवता को सत्य और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

बनारसी कारीगरों का अस्तित्व खतरे में : राहुल

सड़क से संसद तक उठाऊंगा उनकी आवाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को बनारसी कारीगरों के ''दर्द'' का उल्लेख किया और कहा कि वह इस विषय को सड़क से लेकर संसद तक उठाएंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बनारसी कारीगरों के एक समूह से पिछले दिनों मुलाकात की थी। उन्होंने इस बातचीत का वीडियो बुधवार को जारी किया।

राहुल ने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर पोस्ट किया, ''कल मैंने संसद में बनारसी साड़ियों की खूबसूरती, उसकी संस्कृति और इतिहास के बारे में बात की, उनके धागों में ही हिन्दुस्तान की आत्मा गुथी हुई है। बनारसी सिल्क साड़ियां और बनारसी कढ़ाई का नाम लेते ही भारत की समृद्ध कला आंखों में उतर आती है। सदियों से चली आ रही यह परंपरा केवल कपड़ा नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, हमारे त्योहारों और हमारे उत्सवों की पहचान है।'' उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले जन संसद में बनारस के कढ़ाई कारीगर भाइयों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई, उनका दर्द वही है जो भारत के करोड़ों छोटे कारीगरों, दस्तकारों और हुनरमंदों की आज की दास्तान है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी शिकायत उस वक्त है और जब उनके सांसद खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''सरकारी उपेक्षा के शिकार ये कारीगर अपना परंपरागत काम छोड़ कर मजदूरी करने, रिक्शा चलाने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेरोज़गारी बनारस की सबसे कड़वी सच्चाई बन चुकी है। खासकर युवाओं के लिए रोजगार के सारे अवसर खत्म हो गए हैं। मजबूरी में वो अपने शहर, अपना घर छोड़कर दूसरे राज्यों और शहरों में काम की तलाश में भटक रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि सरकार कुछ चंद पूंजीपतियों को बढ़ावा देकर बाजार पर उनका ही एकाधिकार तैयार कर रही है और छोटे कारीगरों का व्यापार, उनका अस्तित्व, दोनों खतरे में डाल रही है। राहुल गांधी ने कहा, ''मैंने बार-बार कहा है, भारत को रोजगार और सम्मानजनक आजीविका देने के लिए उत्पादन के लोकतांत्रिक मॉडल जरूरी है। अगर यह मॉडल टूट गया, तो भारत के करोड़ों हुनरमंदों की ज़िंदगी के साथ-साथ हिंदुस्तान अर्थव्यवस्था भी बर्बाद होगी।''

प्रधानमंत्री आधा समय विदेश में बिताते हैं, फिर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल क्यों: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राहुल गांधी के प्रस्तावित जर्मनी दौरे को लेकर भाजपा द्वारा सवाल खड़े किए जाने के बाद पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आधा कामकाजी समय विदेश में बिताते हैं तो फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ ही जर्मन सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। भाजपा द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राहुल गांधी की इस यात्रा पर सवाल खड़े करने पर प्रियंका गांधी ने कहा, ''मोदी जी अपना आधा कामकाजी समय देश से बाहर बिताते हैं तो वे (भाजपा) नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठा रहे हैं?'' भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एक बार फिर विदेश नायक वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं। विदेश दौरे पर जा रहे हैं। संसद 19 दिसंबर तक चलेगी, लेकिन खबरों के मुताबिक राहुल गांधी 15-20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे।''

अदाणी समूह 2031 तक भारत में 12 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगा : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद (झारखंड)/भाषा। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में फैले अदाणी समूह की अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना है। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह जानकारी दी।

अदाणी ने कहा कि बुनियादी ढांचे, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और बंदरगाहों समेत अन्य क्षेत्रों में बड़ा निवेश किया जाएगा। अडाणी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हम अगले छह साल में भारत में 10 से 12 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगे।'' उद्योगपति ने कहा कि कोरपोरेट भारत और उद्योगपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान के साथ जुड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने भारत की नई स्वतंत्रता बताया है। अदाणी ने कहा, ''आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए संघर्ष जारी है... प्रधानमंत्री ने भी इसका आह्वान किया है... यह एक नई आजादी है। हर उद्योगपति और हर समूह इसी पर काम कर रहा है।'' वह आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए यहां आये थे।

सरकार भारतीय डाक की व्यावसायिक प्रक्रिया में सुधार पर काम कर रही है : सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारतीय डाक को अधिक डिजिटल अनुकूल बनाने और बेहतर सेवा वितरण के लिए सरकार इसकी व्यावसायिक प्रक्रिया में सुधार लाने को लेकर काम कर रही है। सिंधिया ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में 1.64 लाख डाकघर हैं व प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले 11 वर्षों में डाक नेटवर्क के विस्तार के लिए काम किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम भारतीय डाक की संपूर्ण व्यावसायिक प्रक्रिया में सुधार में जुटे हैं, जिसके माध्यम से हमारी डाक सेवाएं पहले से अधिक तेज, बेहतर सेवा-केंद्रित और नागरिकों के लिए अधिक डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी।''

कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, रोहित शीर्ष पर बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है। सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में शृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं।

शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की शृंखला में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं।

'वंदे मातरम्' आजादी की पहली धड़कन, इसके बिना आजादी की कल्पना नहीं : रास में सांसदों ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को देश के स्वतंत्रता संग्राम की पहली धड़कन बताते हुए आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल ने बुधवार को राज्यसभा मे कहा कि इसने देश के लोगों को दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ने की शक्ति दी।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 बरस पूरे होने पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल ने कहा ''वंदे मातरम् हमारे स्वतंत्रता संग्राम की पहली धड़कन है जिसने हमें दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ने की शक्ति दी। यह भारतीय राष्ट्रीयता की ध्वनि बन गया। भारत अपने शहीदों के अंतिम शब्द कभी नहीं भूल सकता। आज भी हमारे बच्चों की पहली राष्ट्र वंदना वंदे मातरम् होती है।'' मालीवाल ने कहा कि पूरे राष्ट्रीय गीत के एक एक शब्द के अर्थ निकलते हैं और प्रेरित करते हैं कि 'हम अपने राष्ट्र के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दें।'' उन्होंने कहा कि यह गीत स्पष्ट संकेत भी देता है कि भारत की सीमाएं उसके सपूतों के हाथों में सुरक्षित हैं और उसकी ओर कोई आंख उठा कर भी नहीं देख सकता। बीजू जनता दल के देवाशीष सामन्त राय ने कहा कि 'वंदे मातरम्' ने पूरे देश को ऐसे समय पर एकजुट किया जब हम गुलाम थे। 'वंदे मातरम्' यह संकेत देता था कि ''अंग्रेजों भारत छोड़ो।'' उन्होंने कहा ''वंदे मातरम् हमारा राष्ट्रीय गीत है और हम इसे सर्वोच्च सम्मान देते हैं। चर्चा में बीजद के निरंजन बिशी ने कहा ''हमें आजादी देने वाले कारकों में से एक वंदे मातरम् है और अब हमारी जिम्मेदारी है कि देश को विकास की राह पर ला कर अपनी आजादी को सार्थक करें।'' भाजपा के डॉ भागवत कराड़ ने कहा कि वंदे मातरम पर चर्चा का उद्देश्य यह है कि 140 करोड़ देशवासियों को एक बार फिर एक सूत्र में बांधा जाए, नई पीढ़ी को वंदे मातरम् के महत्व से अवगत कराया जाए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों की राह में बढ़ने का संकल्प लिया जाए।

सुविचार

जो मनुष्य फल की इच्छा का त्याग करके केवल कर्म पर ध्यान देता है, वह अवश्य ही जीवन में सफल होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

त्योहारों में सर्वसमाज का कल्याण

दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया जाना बहुत खुशी की बात है। प्रकाश का यह पर्व खुशियां मनाने और खुशियां फैलाने का संदेश देता है। दुनियाभर से कई पर्यटक हर साल दीपावली की रोशनी देखने के लिए भारत आते हैं। जगमग करता कोना-कोना ऐसा लगता है, जैसे स्वर्ग ही धरती पर उतर आया। अब तो पश्चिमी देशों में दीपावली की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। अमेरिका में व्हाइट हाउस से लेकर कई शहरों में दीपावली की सजावट की जाती है, बाजार रोशनी से नहा उठते हैं। वास्तव में, सनातन धर्म के हर त्योहार और विशेष दिन को मनाने के पीछे सिर्फ धार्मिक कारण नहीं, बल्कि वैज्ञानिक कारण भी हैं। उनमें सर्वसमाज के कल्याण का बहुत ध्यान रखा गया है। हमारे महान ऋषि-मुनि इतने दूरदर्शी थे कि उन्होंने ऐसी चीजों को तिथियों-त्योहारों के साथ जोड़ा, जो दिखने में साधारण लगती हैं, लेकिन वे धन का प्रवाह इस तरह करती हैं, जिससे सबकी भलाई हो। दीपावली पर दीये, तेल और बाती का अर्थशास्त्र अद्भुत है। इससे किसान, कुम्हार, दुकानदार - सबकी रोजी-रोटी चलती है। यह तो एक त्योहार की कुछ चीजें हैं। मकर संक्रांति को ही लीजिए। वैसे तो यह दान-पुण्य का दिन माना जाता है, लेकिन अब लोग इसे त्योहार की तरह उत्साहपूर्वक मनाते हैं। इस दिन तिलों से बनीं चीजें खाई जाती हैं। गायों को हरा चारा खिलाया जाता है। इसका सीधा फायदा हमारे किसानों को मिलता है। इसी तरह गुड़, चावल, खाद्यान्न, मूंगफली, सूखे मेवों का दान किया जाता है। इन सबका संबंध खेत-खलिहान से है। जो लोग सालभर किसी चीज का दान नहीं करते, वे भी इस दिन कुछ-न-कुछ दान करना चाहते हैं।

होली का त्योहार अनूठा है। गांवों में तो आज भी होली से हफ्तों पहले ढफ की थाप पर गीत गाए जाते हैं। पहले, ये मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम होते थे। लोग हंसी-खुशी के माहौल में मिलते थे। इससे मेलजोल बढ़ता था। होली पर रंगों का कारोबार बहुत होता है। आजकल बाजारों में जो घातक रसायनयुक्त रंग मिलते हैं, उनमें वह बात नहीं है। पहले, पलाश, चंपा, गुलाब, चुकंदर, हल्दी, केसर, पालक आदि से रंग बनाए जाते थे। ये त्वचा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इनका संबंध भी खेती से है। जब देश में प्राकृतिक रंगों से होली खेली जाती थी, तब न कहीं संक्रमण का डर था, न धन का प्रवाह कुछ हाथों तक सीमित था। सबकी कमाई होती थी। जनता खुशियां मनाती थी। यूं तो होली और दीपावली पर कई पकवान बनाए जाते हैं, लेकिन राजस्थान में मीठे चावल, मूंग और बेसन की चक्की बनाने की परंपरा है। ये पकवान मेल-मुलाकात के लिए आने वाले लोगों को भी खिलाए जाते हैं। इनके लिए ज्यादातर चीजें गांवों से आती हैं। क्या दुनिया में कोई और मॉडल है, जो इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे? पिछले कुछ वर्षों में विदेशी कंपनियों की चॉकलेट, केक और मिठाइयों का चलन बहुत बढ़ गया है। इन्हें प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। इनसे हमारे गांवों और किसानों को कितना फायदा होता है? हर साल करवा चौथ से पहले कुछ कथित बुद्धिजीवी सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए गलत-सलत बयानबाजी करते हैं। वे कहते हैं- इस व्रत को करने से क्या होता है? हालांकि वे वेलेंटाइन डे मनाने का पुरजोर समर्थन करते हैं। विदेशी कंपनियां इस डे का पूरा प्रचार करती हैं। वे महंगे कार्ड, चॉकलेट, टेडी बीयर और न जाने क्या-क्या चीजें पेश कर इसे सुनहरे मौके की तरह भुनाती हैं। वहीं, करवा चौथ पर करवा, मेहंदी और सौभाग्य की चीजें भारत के आम लोगों को रोजगार देती हैं। हमें अपने त्योहारों के पीछे मौजूद विज्ञान को जरूर जानना चाहिए। इन्हें प्रेम एवं सद्भावपूर्वक मनाना चाहिए। इनके साथ किसी भी तरह की विकृति और बुराई को नहीं जोड़ना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राहुल गांधी ने लोकसभा में वोट चोरी एवं एसआईआर के मुद्दे पर शानदार भाषण दिया है। इससे आप सभी वोट चोरी के मुद्दे की गंभीरता समझ सकते हैं। कल कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल एवं कोषाध्यक्ष अजय माकन भी इस संबंध में बैठक करने जयपुर आ रहे हैं।

-अशोक गहलोत

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की विकास भी, विरासत भी की नीति के अनुरूप डबल इंजन सरकार पर्यटन के माध्यम से निवेश और रोजगार को नई गति दे रही है। नई पर्यटन नीति राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और भी अधिक सशक्त पहचान प्रदान करेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

चुनावों में सुधार पर चर्चा के लिए सत्र की शुरुआत में दो दिन गतिरोध भी हुआ। इससे एक प्रकार की गैरसमझ, गलत धारणा जनता पर पड़ी कि हम लोग ये चर्चा नहीं चाहते हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसद इस देश की चर्चा का सबसे बड़ी पंचायत है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

कला और प्रकृति

एंटोन चेखव जब बालक थे, तब उनको जिस किंडरगार्टन में भेजा गया वहां पर प्रकृति प्रेम का बेहद कड़ा अनुशासन था। बच्चों को सख्त हिदायत दी गई थी कि फूलों को प्यार करना चाहिए पर उनको डाली से जुदा नहीं करना चाहिए। चेखव को वहां हरेभरे वृक्ष देखकर बहुत आनंद मिला। वो अपनी कक्षा में जाकर वहां से कुछ कागज व रंग लेकर उन फूलों की हूबहू नकल उतारने लगे। बालक चेखव का यह अंदाज किंडरगार्टन की संयोजिका को बहुत प्रभावित कर गया। एक सप्ताह बाद उनकी मां से मीटिंग करते हुए उन्होंने अनुरोध किया कि बालक चेखव को साहित्य और कला की तरफ अग्रसर होने दें। और जब मां ने कारण पूछा तो जवाब मिला कि किंडरगार्टन के सब बच्चे डर से प्रकृति प्रेम दिखा रहे हैं केवल एक चेखव ने पूरे दिल से और अपने मूल स्वभाव से प्रकृति को हर दिन खूब सराहा। बीस साल बाद एंटोन चेखव एक कवि, चित्रकार व कहानीकार बने।

सामयिक

क्या आपका पर्सनल डेटा सुरक्षित है?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत में प्रोक्सीअर्थ.ओआरजी का मामला केवल एक और वेबसाइट के डेटा-लीक की खबर नहीं है; यह उस व्यापक संकट का आईना है जो डिजिटल पहचान, टेलिकॉम-आधारित केवाईसी प्रणालियों और सरकारी डेटा सुरक्षा के दावों पर गहरा अविश्वास खड़ा करता है। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया है कि आज भारतीय नागरिक का मोबाइल नंबर किस तरह उसकी पूरी डिजिटल पहचान का प्रवेश-द्वार बन चुका है। उस नंबर के आधार पर किसी व्यक्ति का नाम, पता, संबंध, पहचान-प्रपत्रों की जानकारी और यहां तक कि लोकेशन तक उपलब्ध होने का अर्थ है कि उसकी निजता व्यवहार में एक मृगतृष्णा मात्र बची है। यह स्थिति केवल अमूर्त प्राइवेसी अधिकार का हनन नहीं, बल्कि वास्तविक और तात्कालिक जोखिमों का सूत्रपात भी है।

प्रोक्सीअर्थ.ओआरजी की कार्यप्रणाली किसी जटिल या अत्याधुनिक हैकिंग तकनीक पर आधारित नहीं थी। उपलब्ध साक्ष्यों से यह स्पष्ट होता है कि वेबसाइट ने कोई नया डेटा चुराया नहीं, बल्कि वर्षों से विभिन्न लीक टेलिकॉम कंपनियों के केवाईसी रिकॉर्ड, आधार-आधारित ई-केवाईसी डेटा, फिनटेक और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के डेटाबेस, और डार्क वेब पर बिक चुके संवेदनशील पहचान-प्रपत्र-सबको जोड़कर एक सर्च टूल में बदल दिया। इस प्लेटफॉर्म का संचालन करने वाले व्यक्ति ने स्वयं स्वीकार किया कि उसने केवल पहले से उपलब्ध डेटा को एक जगह इकट्ठा किया है। लेकिन यह दलील उतनी ही खतरनाक है जितनी भ्रांतिपूर्ण, क्योंकि जानकारी की अव्यवस्थित, अंधेरी फाइलों से निकलकर एक आसान, कोई-भी-खोज-कर-ले वेबसाइट बन जाना स्वयं में बहुत बड़ा जोखिम है। विखंडित लीक भले हजारों की संख्या में फैले हों, पर उन सबका एकीकृत, खोजनीय डेटाबेस बन जाना व्यावहारिक रूप से एक नए डेटा-लीक से किसी भी तरह कम नहीं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस वेबसाइट ने केवल पहचान संबंधी स्थिर डेटा जैसे नाम, पिता का नाम, पता ही नहीं, बल्कि टॉवर-ट्राइएंगुलेशन पर आधारित लोकेशन भी दिखाई। चाहे यह लाइव लोकेशन वास्तव में पल-पल सटीक न रही हो, पर इतनी भी निकटता पर्याप्त है कि कोई व्यक्ति किसी दूसरे की भौतिक उपस्थिति का अंदाज़ा लगा सके या उसे डराने, ट्रैक करने और पीछा करने के लिए उपयोग कर सके। हमें यह मान लेना चाहिए कि आज लोकेशन डेटा, निजी पते और परिवारिक विवरण जैसे तत्व किसी व्यक्ति की सुरक्षा के केंद्र में हैं; ऐसे में इनका इतने सहज तरीके से उपलब्ध हो जाना सीधे-सीधे नागरिकों की सुरक्षा पर आघात है।

प्रोक्सीअर्थ की घटना का प्रभाव इसलिए भी गहरा है क्योंकि यह उस मॉडल को उजागर करती है जिस पर पूरे देश का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निर्भर है एक ऐसा मॉडल जिसमें पहचान, सत्यापन और प्रमाणीकरण का आधार मोबाइल नंबर, आधार और घधउ डेटा है, जिसे अब तक सुविधा और इनोवेशन के नाम पर व्यापक रूप से अपनाया गया है। यह तर्क दिया जाता रहा है कि आधार-आधारित सेवाएं तेज़, सुरक्षित और भरोसेमंद हैं, परंतु हर कुछ महीनों में सामने आने वाले इस प्रकार के लीक बतलाते हैं कि जिस मजबूत सुरक्षा तंत्र की बात की जाती है, उसमें वास्तव में कई छेद मौजूद हैं। और सबसे दुखद यह है कि इन छेदों की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई संस्था न निजी और न ही सरकारी स्पष्ट रूप से आगे आती है। लीक के बाद संस्थाएं डेटा हमारे सिस्टम से नहीं गया या हमारे पास कोई ब्रीच का प्रमाण नहीं कहने में ज़्यादा तत्पर दिखाई देती हैं, जबकि नागरिक अपने ही डेटा से उत्पन्न जोखिमों का बोझ अकेले झेलते हैं।

> भारत में डेटा सुरक्षा को लेकर नियामकीय संरचना अक्सर प्रतिक्रियात्मक रही है, न कि सक्रिय। उएठ्ठ-खप के पास वेबसाइट ब्लॉक करने का अधिकार अवश्य है, और पिछले वर्षों में उसने कई साइटों पर कार्रवाई की भी है, पर यह कदम समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। वेबसाइट को ब्लॉक कर देना एक तात्कालिक उपाय है; असली प्रश्न यह है कि लीक हुए डेटा को वापस कैसे लिया जाए, या कम से कम यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि आगे ऐसा न हो।

एक अन्य पक्ष यह भी है कि भारत में डेटा सुरक्षा को लेकर नियामकीय संरचना अक्सर प्रतिक्रियात्मक रही है, न कि सक्रिय। उएठ्ठ-खप के पास वेबसाइट ब्लॉक करने का अधिकार अवश्य है, और पिछले वर्षों में उसने कई साइटों पर कार्रवाई की भी है, पर यह कदम समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। वेबसाइट को ब्लॉक कर देना एक तात्कालिक उपाय है; असली प्रश्न यह है कि लीक हुए डेटा को वापस कैसे लिया जाए, या कम से कम यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि आगे ऐसा न हो। जो डेटा करोड़ों नागरिकों के घधउ फॉर्मों, बैंकों, टेलिकॉम कंपनियों या सरकारी पोर्टलों के माध्यम से निकला है, वह पहले ही कई हाथों में घूम चुका होता है। ऐसे में, ब्लॉकिंग का आदेश वास्तविक नुकसान को रोकने की बजाय एक प्रतीकात्मक उपाय बनकर रह जाता है।

बात केवल तकनीकी जोखिमों या साइबर ठगी के बढ़ते मामलों तक सीमित नहीं है। सामाजिक-मानसिक तनाव, असुरक्षा की भावना, खासकर महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों, कार्यकर्ता और राजनीतिक-सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों के लिए कहीं अधिक खतरनाक हो सकती है। जब किसी की पहचान और लोकेशन तक पहुंच आसान हो जाए तो हिंसा, पीछा करने, समुदाय आधारित टारगेटिंग और उत्पीड़न की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। भारत में साइबर क्राइम पहले ही तेज़ी से बढ़ रहा है; ऐसे लीक उसके लिए उर्वर भूमि का काम करते हैं।

इस पूरे संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि नागरिक के पास अपना पहले से लीक हुआ डेटा हटाने या उस पर नियंत्रण पाने का कोई साधन नहीं है। उसकी पहचान उसके हाथों में नहीं रहती; वह विभिन्न डेटाबेसों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों में बिखरी रहती है, और वह भी अक्सर ऐसे सिस्टमों में जिनमें सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं बल्कि सुविधाजनक गौण तत्व होती है। नागरिक के पास केवल जोखिम प्रबंधन के विकल्प बचते हैं जैसे कि अनजान कॉलों से सतर्क रहना, किसी भी जढ्ढ्र, लिंक या रिमोट-एक्सेस रिक्वेस्ट को खारिज करना, णझख और बैंक ऐप्स में मजबूत झखछ और मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन लागू करना, संचार साथी जैसे पोर्टल पर अपने आधार से जुड़े नंबरों की नियमित जांच करना, और ड्खच-ीुरि या शख्च अनुरोधों पर कड़ी नजर रखना।

इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत में डिजिटल अधिकारों पर एक व्यापक और गंभीर बहस अब टाली नहीं जा सकती। सुरक्षित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकों की सहमति को प्राथमिकता देनी होगी। डेटा-फिड्यूशियरी, चाहे वे टेलिकॉम कंपनियां हों, बैंक हों, फिनटेक हों या सरकारी एजेंसियां इन सबके ऊपर कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू होने चाहिए, जिन्हें केवल कागजी नियमों के बजाय वास्तविक कठोर प्रवर्तन के माध्यम से महसूस कराया जा सके। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षा केवल विज्ञापनों और नीतिगत दस्तावेज़ों में ही सुरक्षित रहेगी।

प्रोक्सीअर्थ केवल एक चेतावनी नहीं; यह वह क्षण है जब हमें स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल सुविधा की दौड़ में हमने सुरक्षा को पीछे छोड़ दिया है।

यदि भारत सचमुच ओपन, सेफ, ट्रस्टेड और अकाउंटेबल इंटरनेट की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है, तो यह आवश्यक है कि नागरिक की पहचान को केवल एक नंबर या डेटाबेस एंट्री न माना जाए, बल्कि उसकी गरिमा और सुरक्षा के विस्तार के रूप में देखा जाए। डिजिटल भारत की सफलता इसी संतुलन पर निर्भर करेगी।

नजरिया

टूटते रिश्तों के बीच अदालत की टिप्पणी और बदलता सामाजिक ताना-बाना

अमरपाल सिंह वर्मा

उत्तरप्रदेश में बरेली के पारिवारिक न्यायालय के अपर प्रधान न्यायाधीश ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने हाल ही में तलाक के एक केस की सुनवाई के दौरान जो टिप्पणी की है, वह समाज मे बदलते पारिवारिक परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है। न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि यदि कोई लडक़ी शादी के बाद एकांकी जीवन चाहती है तो उसे शादी के बायोडाटा में साफ लिख देना चाहिए कि उसे ऐसा पति चाहिए जो माता-पिता और परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त हो। यह मामला बदायूं के एक युवक और फरीदपुर की युवती से जुड़ा है। दोनों की शादी 2019 में हुई लेकिन युवती सास-ससुर के साथ नहीं रहना चाहती थी। लिहाजा, 2020 से अलग रहने लगी। न्यायाधीश ने कहा कि आज कई लोग वृद्धाश्रमों और बंद फ्लैटों में अकेले रह रहे हैं जबकि संयुक्त परिवार अकेलेपन को दूर करता है। अदालत ने पति का तलाक दावा स्वीकार करते हुए दोनों को अलग रहने की अनुमति दे दी और कहा कि जो लड़कियां शादी के बाद संयुक्त परिवार को बोझ समझती हैं, वह पहले ही अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करें क्योंकि यह सोच सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा सकती है।

एक जज की यह टिप्पणी हमारे घरों के हालात को प्रकट कर रही है। यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं है बल्कि इससे पता चलता है कि हमारे घरों के भीतर क्या बदल रहा है और रिश्तों में कैसी नकारात्मकता पैदा हो रही है। रिश्ते, खासकर ससुराल में, किस प्रकार दरक रहे हैं। एक जमाने में पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक सामान्य बात हुआ करती थी मगर आज हालत यह है कि घर में छोटी-मोटी बात पर हुई बहस ही अदालत में पहुंचने लगी। पति-पत्नी की खटपट को पहले घर के बड़े-बुजुर्ग ही सुलझा दिया करते थे, वह अब अदालतों से भी नहीं सुलझ पा रही है। पारिवारिक न्यायालयों में जज के समझाने के बावजूद जोड़े तलाक से कम पर मानते ही नहीं हैं। जाहिर कि समाज एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां रिश्तों को संभालने की कला कमजोर पड़ रही है। हमारे संयुक्त परिवारों वाले पारंपरिक देश और समाज में यह स्थिति दु:खी करती है।

पहले हमारे यहां दीवारें कम और अपनापन अधिक था लेकिन एकल परिवारों की चाह और चलन ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। नौकरी, कामकाज के सिलसिले में एकल परिवार समझ में आते हैं पर बिना वजह अलग रहने की जिद समझ से बाहर है। इसी जिद के कारण न केवल दादा-पौत्र, बुआ-भतीजे, चाचा-चाची, ताऊ-ताई जैसे रिश्ते खत्म हो रहे हैं बल्कि दाम्पत्य संबंध भी दरक रहे हैं। रिश्तों में जो धैर्य की भावना थी, वह तो कहीं खो गई लगती है। आज पति-पत्नी अपने लिए जगह चाहते हैं तो बुज़ुर्ग अपनी पुरानी जगह बचाए रखने के ख्वाहिशमंद हैं। दोनों की इच्छाएं ठीक हैं लेकिन टकराव तब शुरू होता है जब कोई भी अपनी जगह से एक कदम पीछे नहीं हटना चाहता। इसी से परिवारों में खाई पैदा हो रही है। बरेली कोर्ट के सामने आया यह मामला असल में उसी अदृश्य खाई का उदाहरण है। पत्नी को लगता है कि पति उसके साथ नहीं खड़ा। पति को लगता है कि पत्नी उसके परिवार को नीचा दिखाना चाहती है। सास-ससुर को लगता है कि बहू उनके घर पर अधिपत्य जमाना चाहती है। ऐसी भावनाएं आना स्वाभाविक है पर जब इस बारे में बात नहीं होती, परस्पर संवाद खो जाता है तो ये आक्रोश के रूप में फूटती हैं। नतीजा, परिवार के बिखराव के रूप में सामने आता है।

> जब घर में बात बिगड़ रही हो तो थोड़ा त्याग करने से ही वह बनेगी। खुलकर संवाद ही समस्याओं का समाधान लाएगा। हम खुलेपन की बातें तो करते हैं पर रिश्तों के असली सवालों पर खुलकर बात करने से बचते हैं। यह रवैया समस्याओं को बढ़ा रहा है। परिवारों में असहमति, विवाद, संघर्ष स्वाभाविक है। बुजुर्ग कहते थे जहां चार बर्तन होंगे तो टकराएंगे ही। आज इसी बात को समझने की आवश्यकता है। जहां संवाद कायम रहेगा, वहां रिश्तों को टूटने से बचाना संभव है। संवादहीनता के माहौल में मजबूत रिश्ते भी दम तोड़ देंगे। इस पर विचार करने की जरूरत है कि हम थोड़ी सी असहमति भी क्यों सहन नहीं कर पा रहे हैं?

न्यायाधीश की टिप्पणी आज के समय की बड़ी जरूरत पर जोर देती है। जब शादी-ब्याह की बात चलती है तो सारी बातें अच्छे से प्रकट नहीं की जातीं। लडक़ी एकांकी मिजाज की है तो यह बात खुलकर बता दी जानी चाहिए। शुरू में तो ऐसी बातों को या तो छुपा लिया जाता है या छोटा समझ कर बताने की जरूरत ही महसूस नहीं की जाती। बाद में यही छोटी बातें विकराल रूप धारण कर लेती हैं। सोशल मीडिया के दौर में आज हम जीवन को भी वर्चुअल समझ कर जी रहे हैं जबकि लाइफ और मोबाइल स्क्रीन में बुनियादी फर्क है, जिसे समझना होगा। हैरानी होती है, जब घर की समस्या पर परिजनों से संवाद करने के बजाय लोग सोशल मीडिया पर राय मांगते हैं। वहां झट से राय मिल भी जाती है कि झुकना मत। उसे छोड़ दो, अपने लिए जियो। बड़ा सवाल है कि क्या पारिवारिक रिश्ते यूं ही छोड़े जा सकते हैं? क्या परिवार नामक संस्था को ऐसे ही खारिज किया जा सकता है? इस पर चिंतन करने की जरूरत है। माना, कई बार खटास मूड खराब कर देती है पर जिंदगी चटपटी भी तो होनी चाहिए। थोड़ी देर के लिए अहं को ताक पर रख दिया जाए और थोड़ी बातचीत, नरमी और धैर्य से काम लिया जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। लेकिन अफसोस है हमारे पास अगर सबसे कम कुछ बचा है तो वह धीरज ही है। जल्दबाजी दुर्घटनाओं का कारण बनती है, यह सब जानते हैं पर जल्दबाजी को छोड़ते नहीं हैं। सडक़ हो या घर, जल्दबाजी का परिणाम अच्छा नहीं निकलता। जब घर में बात बिगड़ रही हो तो थोड़ा त्याग करने से ही वह बनेगी। खुलकर संवाद ही समस्याओं का समाधान लाएगा। हम खुलेपन की बातें तो करते हैं पर रिश्तों के असली सवालों पर खुलकर बात करने से बचते हैं। यह रवैया समस्याओं को बढ़ा रहा है। परिवारों में असहमति, विवाद, संघर्ष स्वाभाविक है। बुजुर्ग कहते थे जहां चार बर्तन होंगे तो टकराएंगे ही। आज इसी बात को समझने की आवश्यकता है। जहां संवाद कायम रहेगा, वहां रिश्तों को टूटने से बचाना संभव है। संवादहीनता के माहौल में मजबूत रिश्ते भी दम तोड़ देंगे। इस पर विचार करने की जरूरत है कि हम थोड़ी सी असहमति भी क्यों सहन नहीं कर पा रहे हैं? हम गलती को सुधारने पर जोर देने के बजाय यह साबित करने पर क्यों तुल जाते हैं कि गलती सामने वाले की है? बुज़ुर्गों और नई पीढ़ी के बीच का जो संवाद परिवार को जोडक़र रखता था, उसके खोने की क्या वजह है? इन सवालों पर विमर्श होगा तो जवाब भी मिल जाएंगे क्योंकि परिवारिक रिश्ते नियमों से नहीं चलते, मन से चलते हैं। अदालतें फैसले दे सकती हैं पर घरों की टूटन नहीं रोक सकतीं। एक जज आवश्यकता प्रतिपादित करने की जिम्मेदारी निभा सकता है पर उसे अमलीज जामा तो हमें ही पहनाना होगा। अगर परिवार मजबूत होगा तो समाज मजबूत होगा। एक मजबूत समाज ही देश को सशक्त बना सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

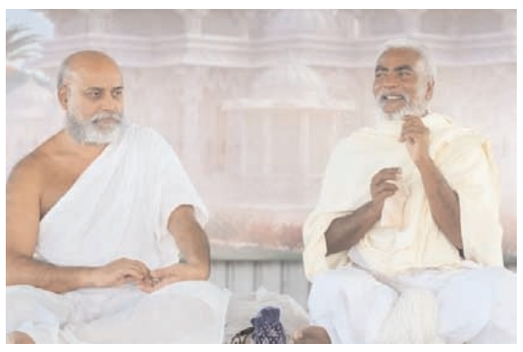

पेपराल तीर्थ में गुरु जयन्तसेन गुरु चौमुखी मंदिर का विधि विधान से हुआ शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेपराल। गुजरात राज्य में स्थित गुरु जयन्तसेन जन्म भूमि पेपराल तीर्थ में गुरु जयन्तसेन गुरु मंदिर(चौमुख) का आयोजन सौधर्म बृहत्तपागच्छीय गुरुदेव श्रीमद विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य मुनि चारित्ररत्नविजयजी, अजितसेनविजयजी एवं साध्वी मोक्षगुणाश्रीजी, दर्शीतकलाश्रीजी व विवेकप्रियाश्रीजी श्रीजी की निश्रा में कार्यक्रम का शुभारंभ शिलान्यास में स्थापित होने वाली शिला की शोभायात्रा से हुआ। उसके बाद गुरु जन्म भूमि के मंडप में विधि विधान का कार्यक्रम हुआ जहां पर श्रमण श्रमणियों निश्रा में उपस्थित गुरु भक्तों ने शिला स्थापना की। शुभ मुहूर्त मं मुख्य शिला के लाभार्थी कान्तिलाल भंशाली परिवार, पूर्व दिशा शिला के लाभार्थी गुणीदेवी सुमेरमल बालगोता परिवार, पश्चिम दिशा शिला के लाभार्थी बाबूलाल लल्लुभाई वोरा परिवार, उत्तर दिशा शिला के लाभार्थी सूर्यप्रकाश मिश्रीमल भंडारी परिवार, दक्षिण दिशा शिला के लाभार्थी वाडीलाल गगलदास दोशी परिवार की ओर से स्थापना की गई। शिलान्यास का विधान विधिकारक सत्यविजय हरण एवं कुणाल सुराणी ने करवाया। शिला स्थापना के बाद मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी का प्रवचन एवं शिला के लाभार्थी परिवार आदि का सम्मान हुआ। शिलान्यास कार्यक्रम में संपूर्ण दिवस की साधर्मिक भक्ति का लाभ मुख्य शिला के लाभार्थी थराद तीर्थ निवासी ताराबेन कान्तिलाल भंशाली परिवार ने लिया। कार्यक्रम में जयन्तसेनसूरीशासन प्रभावक ट्रस्ट के अध्यक्ष महेन्द्र वोरा, अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाशभाई छाजेड़, श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक त्रिस्तुतिक संघ, नवयुवक परिषद के पदाधिकारियों सहित गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से गुरु भक्तों की विशाल संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम की पुर्णता पर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी द्वारा शिलान्यास प्रसंग पर प्रदान किए गए आशीर्वाद रूपी पत्र का वांचन किया गया।

2023 में एक अरब लोगों ने यौन हिंसा का सामना किया: लैंसेट

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया भर में साल 2023 में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के एक अरब से अधिक लोगों ने बचपन में यौन हिंसा झेली और लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार हुईं।उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा और यौन हिंसा दोनों की सबसे अधिक दर पाई गई।शोधकर्ताओं ने कहा कि इन क्षेत्रों में हिंसा से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, एचआईवी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की उच्च दर के कारण और भी गंभीर हो जाते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार महिलाओं की दर 23 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अनुमान है कि 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं और 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लगभग 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली।

शोधकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) शोध 2023 के आंकड़ों का विश्लेषण किया जिसे विभिन्न क्षेत्रों और समय के आधार पर स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान को मापने का अब तक का सबसे बड़ा और व्यापक प्रयास माना जाता है। इस जीबीडी अध्ययन का समन्वय अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ने किया था।

लेखकों ने शोध में लिखा, विश्व स्तर पर, हमने अनुमान लगाया कि 2023 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 60.8 करोड़ महिलाएं कभी न कभी अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई हैं, और 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के 1.01 अरब व्यक्तियों ने बचपन में यौन हिंसा का अनुभव किया।

अध्ययन में ऐसे नए प्रमाण सामने आए हैं जिनसे पता चलता है कि बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा और अंतरंग साथी द्वारा की जाने वाली हिंसा का संबंध पहले से माने जा रहे दायरे से कहीं अधिक स्वास्थ्य समस्याओं से है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, इसके कारण स्वास्थ्य समस्याओं और अक्षमताओं के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

'किया' ने पेश किया एसयूवी सेल्टोस का नया अवतार

हैदराबाद/भाषा। वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने बुधवार को अपने लोकप्रिय एसयूवी मॉडल 'सेल्टोस' का नया अवतार पेश किया। नई 'किया' सेल्टोस की बुकिंग 11 दिसंबर की आधी रात से शुरू हो जाएगी और ग्राहक 25,000 रुपए देकर इसे बुक कर सकेंगे। हालांकि इसकी कीमतों की घोषणा नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि इसकी कीमतें दो जनवरी, 2026 को घोषित की जाएंगी।

'किया' इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ग्वांगू ली ने अनावरण कार्यक्रम में कहा कि नई सेल्टॉस सिर्फ पिछले मॉडल का अद्यतन संस्करण नहीं है, बल्कि इसमें बड़े बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा, नई सेल्टोस सिर्फ एक नई पीढ़ी की गाड़ी नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि किआ इस खंड में नए मापदंड तय करना चाहती है। सेल्टोस अपनी पेशकश के समय से ही एक महत्वपूर्ण एसयूवी रही है। ली ने कहा कि इस मॉडल को भारत की जमीनी परिस्थितियों के हिसाब से बेहतर प्रदर्शन के लिए विकसित किया गया है और ग्राहकों की जरूरतों एवं सुझावों के आधार पर इसमें बदलाव किए गए हैं।

'राहु केतु' का पहला गाना 'मदिरा' जारी

मुंबई/एजेन्सी

यह पार्टी वाला मौसम अब और भी तड़का लगाएगा, क्योंकि राहु केतु की मदिरा हर न्यू ईयर सेलिब्रेशन में धूम मचाने आ चुकी है। जबरदस्त चर्चा और सस्पेंस के बाद, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने आज आखिरकार राहु केतु का धमाकेदार टीज़र उतार दिया, जो दर्शकों को पहली झलक देता है इस फिल्म की जबरदस्त मजेदार और झक्कास कॉस्मिक दुनिया की। टीज़र के तुरंत बाद मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना मदिरा भी लॉन्च कर दिया, जिसमें पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे चमकते नजर आते हैं। धमाधड़ बीट्स वाला यह हाई एनर्जी पार्टी सांग इस सीजन हर न्यू ईयर पार्टी का अनऑफिशियल एंथम बनने वाला है। सबकी नजरें खींच लेती हैं शालिनी पांडे, जो एक दमदार, पहले कभी न देखे गए अवतार में स्क्रीन पर आग लगा देती हैं। उनके स्मूद और बोल्ड डांस मूव्स और हॉट लुक पूरा गाने की एनर्जी को एकदम आसमानी लेवल पर ले जाते हैं। वहीं पुलकित और वरुण अपनी शार्प कोरियोग्राफी और मजेदार चार्म के साथ मदिरा को पूरा पार्टी ब्लास्ट बना देते हैं। यह गाना विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज़ किया है, सिमर कौर, अभिनव शेखर और विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने गाया है, और इसके बोल हैं अभिनव शेखर के। मदिरा की क्रिएशन पर बात करते हुए कंपोज़र विक्रम मॉन्ट्रोज़ कहते हैं, हम एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जो राहु केतु की पागलपंती और मस्ती को पकड़ ले। मदिरा वही फील है छोड़ो सब, बस मूड में आओ और पल को जी लो। फिल्म के लिए भी परफेक्ट और पार्टी सीजन के लिए भी।

विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी राहु केतु को ज़ी स्टूडियोज़ पेश कर रहा है और इसे ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म एक आसमानी कॉमिक जर्नी का वादा करती है, जहां ग्रह भले ही सही लाइन में न आएं, पर हंसी जरूर आएगी। राहु केतु सोलह जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लघु वीडियो युवा दिमाग को कैसे नुकसान पहुंचा सकते हैं?

शेफील्ड (ब्रिटेन)। ऑनलाइन लघु वीडियो अब बच्चों की ज़िंदगी में हल्का-सा मनोरंजन का साधन भर नहीं रह गए, बल्कि हमेशा साथ रहने वाली चीज़ बन गए हैं। पहले जो चीज खाली समय को व्यतीत करने का साधन हुआ करती थी, वही अब इनके (बच्चों के) आराम करने, संवाद करने और अपनी राय बनाने के तरीके को आकार देती है। टिक-टॉक, इंस्टाग्राम रील्स, डौयिन और यूट्यूब शॉर्ट्स जैसे मंच अपने अंतहीन 'पर्सनलाइज़्ड फ़ीड' के ज़रिये दुनिया भर में करोड़ों नाबालिगों को अपनी ओर खींच रहे हैं। ये ऐप जीवंत और अंतरंग महसूस कराते हैं तथा हास्य, ट्रेंड और संपर्क तक जल्दी पहुंच उपलब्ध कराते हैं, लेकिन इनका डिज़ाइन तेज़ी से स्क्रॉल करते रहने वाले लंबे सत्रों को बढ़ावा देता है, जिन्हें कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है। इन्हें बच्चों को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया था, जबकि बहुत-से बच्चे इन्हें रोज़ाना और अक्सर अकेले इस्तेमाल करते हैं।

कुछ के लिए, ये मंच पहचान बनाने, रुचि जगाने और दोस्ती बनाए रखने में मदद करते हैं। दूसरों के लिए, सामग्री का प्रवाह नींद में खलल डालता है, सीमाओं को तोड़ता है या चिंतन और सार्थक बातचीत के लिए समय कम कर देता है। समस्या इन ऐप पर बिताए गए मिनटों से नहीं, बल्कि उन पैटर्न से जुड़ी होती है जिनमें स्क्रॉल करना मजबूरी जैसा बन जाता है या उसे रोकना कठिन होता है। ऐसे पैटर्न नींद, मनोदशा, ध्यान, पढ़ाई और रिश्तों को प्रभावित करना शुरू कर सकते हैं। लघु वीडियो (आमतौर पर 15 से 90 सेकंड के बीच के होते हैं और यह) दिमाग की नई चीज़ों की इच्छा को भुनाने के लिए सोच-समझकर तैयार किए जाते हैं। हर स्वाइप किसी न किसी नई चीज़ जैसे कोई चुटकुला, शरारत या चौंकाने वाले पल को दिखाता है और हमारा दिमाग इन्हें देखकर संतुष्टि वाला एहसास कराने लगता है।

वीडियो फीड में शायद ही कभी विराम आता है, इसलिए ध्यान केंद्रित करने में सहायक प्राकृतिक विराम गायब हो जाते हैं। समय के साथ, इससे इच्छाओं को नियंत्रित करने की क्षमता और निरंतर एकाग्रता कमजोर हो सकती है। 2023 में 71 अध्ययनों और लगभग 100,000 प्रतिभागियों के विश्लेषण में पाया गया कि लघु वीडियो के अत्यधिक उपयोग और नियंत्रक क्षमता और ध्यान अवधि में कमी के बीच एक मध्यम संबंध है। नींद उन क्षेत्रों में से एक है जहां लघु वीडियो का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। आजकल कई बच्चे आराम करने के समय स्क्रीन देखते हैं। तेज रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन के स्राव में देरी करती है, जो नींद को नियंत्रित करने में सहायक होता है, जिससे उन्हें नींद आने में कठिनाई होती है। तेज़ और लगातार बदलती सामग्री के कारण होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव दिमाग के स्थिर रहने में मुश्किल पैदा करते हैं।

'बॉर्डर-2' से अहान शेट्टी का दमदार लुक जारी, फिल्म जल्द होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मोस्ट अवेटेड वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर-2 जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने सन्नी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बाद मंगलवार को अहान शेट्टी का पहला लुक रिवील कर दिया, जिसे देख फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अहान शेट्टी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहला लुक शेयर किया, जिसमें अभिनेता खून से लथपथ फौजी की वर्दी पहने हुए जुनून के साथ चिल्लाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट को शेयर कर कैप्शन में लिखा, सरहद हो या समंदर, धरती मां का हर बेटा एक ही कसम निभाता है। 'बॉर्डर-2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज। पोस्ट शेयर करने के बाद दोस्त, परिवार और इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी।

कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अहान शेट्टी के पिता और अभिनेता सुनील शेट्टी ने कमेंट करते हुए लिखा, सम्मान अपनी छाप छोड़ जाता है और हिम्मत तुम पर खूब जंचती है, बेटे। अभिनेता अर्जुन रामपाल ने कमेंट सेक्शन में लिखा, वाह! अहान, कमाल कर रहे हो।इससे पहले मेकर्स ने सनी देओल, वरुण और दिलजीत का लुक शेयर किया था, जिसमें उनके

किरदार के नाम भी बताए गए थे। 'बॉर्डर-2' में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन, अहान शेट्टी के अलावा, मोना सिंह, मेधा राणा और सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का टीजर जारी किया जा चुका है।

फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले किया गया है। 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी। उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबनी मुखर्जी लीड रोल में थे।

'समुद्री लुटेरे' के साथ दिखे एक्टर कार्तिक आर्यन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच उन्होंने हॉलीवुड के सुपरस्टार जॉनी डेप से मुलाकात की। बता दें कि कार्तिक आर्यन ने फिल्म 'भूल भुलैया 2' में 'रूह बाबा' और जॉनी डेप ने फिल्म पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन में समुद्री लुटेरे कैप्टन जैक स्पैरो का किरदार निभाया था।

फैंस और अभिनेता के दोस्तों को कार्तिक का ये अंदाजा काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। जॉनी डेप हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं, जिन्होंने 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' में कैप्टन जैक स्पैरो जैसे किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। दूसरी तरफ, कार्तिक आर्यन भी पिछले कई साल से बॉलीवुड में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'लुका छुप्पी' और 'भूल भुलैया 2' ने उन्हें घर-घर में मशहूर किया है।

अभिनेता की अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित फिल्म में कार्तिक के साथ अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में हैं।

इसके अलावा, फिल्म में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 31 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसी के साथ ही क्रिसमस के मौके पर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस भी रिलीज की जाएगी। अब देखना होगा कि दर्शक रोमांस और लव स्टोरी को पसंद करते हैं या देशभक्ति से भरी कहानी को सराहते हैं।

पीड़ित अभिनेत्री के साथ मजबूती से खड़ा हूं, अदालत के फैसले का सम्मान करता हूं: अभिनेता आसिफ अली

इडुक्की/भाषा। मलयालम अभिनेता आसिफ अली ने मंगलवार को कहा कि वह अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न मामले में पीड़िता के साथ मजबूती से खड़े हैं लेकिन इस मामले में अदालत के फैसले का सम्मान भी करते हैं।अली ने कहा कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि पीड़िता को न्याय मिलना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति विशेष को दंडित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।एर्नाकुलम प्रधान सत्र न्यायालय द्वारा अभिनेता दिलीप और तीन अन्य आरोपियों को इस सनसनीखेज मामले में बरी किए जाने के एक दिन बाद अभिनेता ने यह टिप्पणी की।अदालत ने अपराध में शामिल सुनील एन एस उर्फ पल्सर सुनी सहित छह आरोपियों को दोषी पाया। आसिफ अली ने पत्रकारों द्वारा फैसले पर उनकी राय बार-बार पूछे जाने के बाद कहा कि वह इस मामले पर टिप्पणी करने में सावधानी बरत रहे हैं क्योंकि किसी भी प्रकार की टिप्पणी अदालत की अवमानना हो सकती है। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान करने के बाद पत्रकारों से कहा, मैं हमेशा पीड़िता के साथ हूं और अपना पूरा समर्थन देता हूं। मुझे फैसले पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। अदालत ने जो सही समझा, वही फैसला सुनाया।

अली ने कहा कि हर कोई बेहद सावधानी से प्रतिक्रिया देना चाहता है क्योंकि यह एक संवेदनशील विषय है, जिसकी कई तरह से व्याख्या की जा सकती है।

अभिनेता ने सोशल मीडिया पर विचारों को तोड़-मरोड़ कर पेश किए जाने पर चिंता व्यक्त की और आग्रह किया कि बयान केवल निहितार्थों को पूरी तरह समझने के बाद ही दिए जाने चाहिए।

अभिनेता ने फैसले के खिलाफ अपील करने के सरकार के फैसले पर कहा कि यह संभवतः इस विश्वास पर आधारित था कि पूर्ण न्याय नहीं हुआ है। उन्होंने लगभग नौ साल की कानूनी लड़ाई के बाद अभिनेता दिलीप को बरी किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह इस बारे में नहीं है कि किसे सजा दी जाए, बल्कि न्याय सुनिश्चित करने के बारे में है।

जया बच्चन विवाद पर बोले आशुतोष राणा, 'ईश्वर ने सबको समान बनाया है, इसलिए सम्मान भी बराबर मिलना चाहिए'

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत में सितारों के बयान अक्सर चर्चा का विषय बन जाते हैं, और हाल ही में ऐसा ही हुआ अभिनेत्री जया बच्चन के एक कार्यक्रम में दिए गए बयान को लेकर। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने पैपराजी और उनकी कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठाए। इसके बाद से बॉलीवुड के कई जाने-माने चेहरे इस मुद्दे पर अपनी राय रख रहे हैं। किसी ने जया बच्चन का समर्थन किया, तो कई कलाकार उनकी आलोचना भी करते नजर आए। इस कड़ी में अभिनेता आशुतोष राणा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईएएनएस से बात करते हुए अभिनेता आशुतोष राणा ने कहा, ''इंसान स्वभाव से ही भावुक और संवेदनशील होता है। हर व्यक्ति की अपनी एक कीमत होती है और हर इंसान सम्मान के योग्य है। कभी-कभी भावनाओं के कारण हम किसी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया दे देते हैं, गुस्से में कुछ बोल देते हैं या सामने वाले की आलोचना कर बैठते हैं। लेकिन, इसी के साथ हमारे भीतर संवेदनशीलता भी होती है, जो हमें समझने की क्षमता देती है कि सामने वाला भी हमारे जितना ही महत्वपूर्ण है।''उन्होंने कहा, ''ईश्वर ने सभी

को एक ही तरह बनाया है। किसी को कम या ज्यादा समझना गलत है। हम सभी समान हैं, इसलिए सम्मान भी बराबर मिलना चाहिए। जब हम यह समझते हैं कि दूसरे की भी एक पहचान और अस्तित्व है, तो हम ज्यादा बेहतर तरीके से व्यवहार करते हैं।'' दूसरी ओर, आईटीए (इंडियन टेलीविजन एकेडमी) के फाउंडर और अभिनेता शशि रंजन ने जया बच्चन के बयान पर साफ शब्दों में असहमति जताई। उन्होंने कहा, ''मैं जया बच्चन की राय का सम्मान करता हूं, लेकिन उनसे सहमत नहीं हूं। हर व्यक्ति अपनी सोच रख सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि पैपराजी इंडस्ट्री का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें इस तरह से निशाना बनाना उचित नहीं है। मैं मानता हूं कि पैपराजी सुर्खियों का पीछा जरूर करते हैं, लेकिन वे भी अपना काम ही कर रहे होते हैं और उनकी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने पैपराजी की तारीफ की और कहा, ''मुझे पैपराजी और मीडिया से बहुत प्यार है, क्योंकि वे बेहद मेहनती और समर्पित होते हैं। चाहे कड़ी धूप हो, भारी बारिश हो या फिर कड़ाके की ठंड, पैपराजी हमेशा अपने काम पर डटे रहते हैं। मैं मीडिया की इस कर्मठता की कद्र करती हूं। इस पेशे में काम करने वाले लोग दर्शकों तक सही और रोचक खबरें पहुंचाने का प्रयास करते हैं।'' जया बच्चन के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी, तो अमीषा ने कहा कि हर किसी को अपनी राय रखने का हक है, लेकिन उनकी निजी भावना हमेशा पैपराजी के साथ है। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब एक कार्यक्रम में जया बच्चन ने पैपराजी पर तंज कसते हुए कहा कि उनका उनसे कोई संबंध नहीं है और वे उनकी मौजूदगी से परेशान होती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ये लोग किस तरह की शिक्षा रखते हैं, उनका बैकग्राउंड क्या है, और वे किस तरह की भाषा और व्यवहार अपनाते हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि कई पैपराजी बेहद अनौपचारिक कपड़े पहनकर सिर्फ मोबाइल फोन लेकर तस्वीरें खींचते हैं और मनचाहे कमेंट करते हैं।

'फैशन' में निभाए किरदार ने किस्मत बदल दी : प्रियंका

अबू धाबी/भाषा

प्रियंका चोपड़ा का कहना है कि उन्होंने जब बॉलीवुड में कदम रखा था, तब उनका न तो कोई 'गॉडफादर' था, न ही उन्हें किसी फिल्मी घराने का समर्थन हासिल था। प्रियंका कहती हैं कि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें जो भी भूमिकाएं मिलीं, वह उन्हें स्वीकार करती गईं, शूटिंग के लिए दिन-रात एक कर दिए, अमेरिका में पॉप संगीत में भी हाथ आजमाया और आखिरकार 'फैशन' में निभाए गए किरदार ने उनकी किस्मत बदल दी। आज प्रियंका हॉलीवुड में भी एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। वह अपनी सफलता का श्रेय करियर के शुरुआती दौर में की गई कड़ी मेहनत को देती हैं। अबू धाबी में आयोजित 'ब्रिज मीडिया सम्मेलन' में प्रियंका (43) ने 2000 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतने से लेकर हिंदी फिल्मों में दस्तक देने और फिर हॉलीवुड का रुख करने तक के अपने सफर को याद किया। उन्होंने 2008 में प्रदर्शित 'फैशन' को अपने करियर का रुख बदलने वाली फिल्म बताया।

प्रियंका ने कहा कि जब उन्होंने 25 साल पहले फिल्मों में काम करना शुरू किया था, तब उनका मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने मुंबई में कदम रखा, तो मेरी राह आसान नहीं थी। मुझे यहां टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, लेकिन मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं जो भी काम अपने हाथों में लेती हूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत देती हूं, वरना मैं उसे कभी पूरा नहीं कर पाऊंगी। एक समय ऐसा भी आया, जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं और मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ अलग करना होगा।प्रियंका ने कहा, इसके बाद मुझे 'फैशन' में काम करने का

प्रस्ताव मिला, जिसमें दो लीड हीरोइन थीं। लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है, तभी मैं एक महिला-प्रधान फिल्म कर रही हूं, लेकिन बाकी सब इतिहास है, क्योंकि मैंने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इसी तरह, जब मैंने हॉलीवुड के बारे में सोचा, तो मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।पूर्व 'मिस वर्ल्ड' ने कहा कि ऐसा नहीं है कि अवसर खुद-बखुद चलकर उनके दरवाजे पर आए, बल्कि कई मौकों पर अच्छे अवसर उनसे छीन लिए गए।

प्रियंका ने कहा, मुझे खुद के लिए मौके बनाने पड़े। मुझे लीक से हटकर फिल्में और भूमिकाएं हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा। फिल्म उद्योग में शायद हर महिला की यही कहानी है।चुनिंदा भूमिकाएं स्वीकार करने से जुड़े सवाल पर प्रियंका ने कहा कि जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में दस्तक दी थी, तब ऐसा नहीं था, क्योंकि उस समय वह सिर्फ काम हासिल करना चाहती थीं। उन्होंने कहा, लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं करियर के उस पड़ाव पर हूं, जहां मैं दमदार भूमिकाएं मिलने का इंतजार कर सकती हूं और साधारण किरदारों को ठुकरा सकती हूं।प्रियंका कहती हैं, मैंने करियर के लिए बहुत त्याग किया, परिवार के साथ समय बिताने और त्योहार मनाने का मौका गंवाया। लेकिन हर चीज का एक समय होता है। उस समय मुझे काम पर ध्यान देने और त्याग करने की जरूरत थी। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती, जहां मैं फिल्में ठुकराने का फैसला ले सकती हूं। मैं इसका श्रेय शुरुआती दौर में की गई कड़ी मेहनत और त्याग को देती हूं।

प्रियंका ने कहा कि इस दुनिया का कोई भी इंसान हर समय सही नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, आपको खुद पर भरोसा करने, आत्मचिंतन करने और जो आप करने जा रहे हैं, उसका नफा-नुकसान आंकने की जरूरत है। इतना ही काफी है। मैंने भी दिन-रात काम किया, क्योंकि लोग कहते थे कि सफलता पाने का यही एकमात्र तरीका है। लेकिन आज मैं कह सकती हूं कि कड़ी मेहनत करो, पर उस सीमा तक, जिससे आपको नुकसान न पहुंचे।

पुस्तक भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की सदस्याओं ने ऑर्ट ऑफ लिविंग फाउन्डेशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकरजी से भेंटकर उन्हें आचार्य महाप्रज्ञजी द्वारा लिखित 'धर्मचक्र का प्रवर्तन' पुस्तक भेंट की। मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने तुलसी शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मंत्री विजेता रायसोनी भी उपस्थित थीं।

राणी दादी के वार्षिकोत्सव में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजराजेश्वरी नगर स्थित तेरापंथ जैन भवन में रविवार को स्थानीय श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में वार्षिकोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर रानीगंज के किशन बगड़िया ने अपने साथी कारीगरों की टीम के साथ राणी सती दादी का फूलों से भव्य दरबार सजाया, जिसमें राणी सती दादी को ऊंचे आसन पर बैठाया गया। दोपहर 2 बजे से विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ समिति सदस्यों ने विधिवत पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। इस अवसर पर पूरा परिसर जय दादी के जयकारों से गुंजायमान हो गया।

बड़ी संख्या में भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नन्हे बच्चों ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी। स्थानीय भजन गायक रामसुंदर बगड़िया, हरिकिशन सारडा, किशन बगड़िया, अनूप अग्रवाल आदि ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। हैदराबाद की गायिका प्रियंका गुप्ता के सभागार में पहुंचते ही भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। गायिका प्रियंका गुप्ता ने मधुर भजनों की प्रस्तुति से समा बांधते हुए भक्तों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। समिति द्वारा गायक कलाकार का सम्मान किया गया।

समिति ने आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले भक्तों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों सहित दादी परिवार, जीण माता सेवा समिति, मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक, दादी धाम युवा समिति के सदस्यों ने व्यवस्था में सहयोग किया। इस मौके पर अनेक स्थानीय धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य लोग उपस्थित थे। मेहंदी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दादीजी को छप्पन भोग का अर्पण किया गया।

गांधीनगर में जाप के साथ मनाया तुलसी दीक्षा शताब्दी समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा आयोजित 'ओम भिक्षु जय तुलसी जाप' आचार्य श्री तुलसी के दीक्षा शताब्दी वर्ष के अवसर पर गांधीनगर सभाभवन में किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज हम उस महामानव के दीक्षा शताब्दी समारोह में सम्मिलित हुए हैं जिन्होंने मात्र 11 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की।

उनका जीवन समाज एवम मानवता के उत्थान, नैतिकता, सत्य, अहिंसा, संयमी एवं आध्यात्मिकता से प्रेरित है। आचार्यश्री तुलसी ने नारी जाति के उन्नयक अणुव्रत आंदोलन के शुभारंभ, श्रेष्ठ लेखक कई धार्मिक प्रेरणादायक ग्रंथों की रचना की। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया ने किया। आभार संगठन मंत्री व एवं संयोजिका प्रमिला धोका ने व्यक्त किया। कार्यकम में सहमंत्री विनीता मरोठी , पूर्वाध्यक्ष निर्मला सोलंकी, संरक्षिका वसंता रायसोनी सहित अनेक महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

महिलाओं ने दीक्षा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उपवास, मौन, आयंबिल सामायिक से श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना गुरुदेव को समर्पित की।

आचार्य तुलसी दीक्षा शताब्दी परिसम्पन्नता पर जप, तप अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां तेरापंथ धर्म संघ के नौवें आचार्य श्री तुलसी के 100वें दीक्षा दिवस पर संपन्नता के अवसर पर श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 9 दिसंबर को जाप, उपवास, आयंम्बिल एवं मौन अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विजयनगर के विभिन्न उपनगरों में चार जगह सामूहिक जाप का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 72 महिलाओं ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। पांच महिलाओं ने लगातार 9 घंटे का मौन तथा कईयों ने उपवास एवं आयम्बिल तप किए। जाप में परामर्शिका मधुबाई सेठिया, पूर्वाध्यक्ष प्रेम भंसाली की उपस्थिति रही। अनेक महिला सदस्यों का आयोजन में विशेष सहयोग रहा ।

विहार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को बेंगलूरु के कॉक्स टाउन से विहार कर श्रमणसंघीय उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनिजीम. सा., श्री शालिभद्रजी म. सा., महासाध्वीश्री मेघाश्रीजी आदि संतवृंद जैन स्थानक भवन फ्रेजर टाउन पहुंचे। विहार में आल इंडिया स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, कर्नाटक प्रांतीय मंत्री महेंद्र रांका, कर्नाटक प्रांतीय वय्यावच्छ मंत्री प्रकाश बोहरा, डॉ जीतेन्द्र छाजेड़, राकेश लुकड़, पवन भंसाली, महेंद्र बगानी, मनोज कोठारी, सोनु शर्मा, महावीर कोठारी, आनंद बोहरा, कनकमल भंसाली, आशीष भंसाली आदि अनेक श्रावक उपस्थित रहे।

एजीआई के सालाना एथलेटिक मीट में खेलों के प्रति दिखा जोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आदर्श ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस (एजीआई) के फिजिकल एज्यूकेशन डिपार्टमेंट ने बुधवार को जयनगर स्थित रानी चेन्नम्मा ग्राउन्ड पर पीयूसी, यूजी, पीजी और ईवनिंग कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेलोत्सव 2025-26 का आयोजन किया। इसका उद्घाटन मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित, राज्य पुरस्कार से सम्मानित और नवचेतना ट्रस्ट फॉर डिसेबल्ड के अध्यक्ष मंजुनाथ केएस ने किया। मुख्यअतिथि मंजुनाथ ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जीवन में खेल की निरतंरता बनी रहनी चाहिए। कोई न कोई खेल खेलते रहना चाहिए, जो आज की बहुत ज़्यादा कॉम्पिटिटिव दुनिया में सफल होने के लिए ज़रूरी है।ङइस मौके पर एजीआई के अध्यक्ष पदमराज मेहता, सचिव जितेन्द्र मरड़िया, संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत एस, प्रोफेशर दीक्षित योगेश और फिजिकल एज्यूकेशन डायरेक्टर श्रीनिवास के. मौजूद थे। झंडा रोहण के पश्चात सभी यूनिट्स द्वारा मार्च पास्ट किया गया। स्वागत के उपरांत खेलों का आयोजन किया गया।ङकार्यक्रम में पैरालंपिक एथलीट मिस्टर चौदियाह, जो पिछले वर्ष के आयोजन में मुख्यअतिथि थे, उन्होंने अपनी हौसला बढ़ाने वाली मौजूदगी से सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। दिन भर चले इस आयोजन में जोश के साथ सभी ने भाग लिया। सभी में प्रतियोगिता के लिए जो ललक थी वह संस्थान द्वारा खेलों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी विजेता खिलड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया।

सोच को हमेशा ऊंचा रखें: साध्वी शीतलगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को होसुरु रोड स्थित श्री पार्श्व सुशील धाम में प्रवासरत साध्वी भव्यगुणा जी ने कहा कि पार्श्वनाथ भगवान की महिमा अपरम्पार है। परमात्मा के दर्शन कर आत्मा प्रसन्नचित्त हुई और मन प्रफुल्लित हुआ। ङसाध्वी शीतलगुणा जी ने कहा कि जीवन को सुखी बनाने का पहला सिद्धांत या मंत्र है- अपनी सोच को हमेशा बड़ा रखो। हमारे दु:ख हमारे हालात ने नहीं पैदा किए हैं। अपने नजरिए को हमेशा बड़ा और सकारात्मक रखो। जैसा आदमी का नजरिया होता है-वैसा ही उसे नजारा दिखता है। दूसरा सिद्धांत है अपने स्वभाव को हमेशा सॉफ्ट यानी उत्तम, मधुर व सरल बनाए रखें। जीवन को सफल, सार्थक बनाने के लिए तीन बातों को हमेशा के लिए अपना लें, पॉजीटिव माइंड, पॉवरफुल माइंड और पीसफुल माइंड। जिसके पास ये तीन चीजें होती हैं वह दुनिया का राजा आदमी होता है। तीसरा सिद्धांत है अपने-अपने पारिवारिक दायित्व को जरूर निभाएं। चौथा है, जीवन में हमेशा अच्छाई के, भलाई के रास्ते पर चलें और पांचवा सिद्धांत है, दुनिया के हर धर्म व परम्परा का सम्मान करें। गौतमचंद छाजेड़ ने साध्वी जी के आगामी दिनों के कार्यक्रम की जानकारी दी।विहार सेवा का लाभ ताराचंद परिवार ने लिया।

बन्नेरघट्टा में आचार्य तुलसी दीक्षा शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार जी, मुनिश्री आदित्य कुमार जी के पावन सान्निध्य में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री तुलसी का दीक्षा शताब्दी महोत्सव शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन बन्नरघट्टा तेरापंथ सभा के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट स्थित संभवनाथ जैन मंदिर परिसर में हुआ। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने आचार्य तुलसी के प्रति श्रद्धा समर्पित करते हुए कहा कि आचार्य तुलसी ने चित्त शुद्धि और चरित्र शुद्धि पर विशेष बल दिया। उनकी दीक्षा तेरापंथ धर्म संघ का इतिहास बदलने वाली रही। आचार्यश्री तुलसी साहसी और सृजनशील व्यक्तित्व के धनी थे। वे सौभाग्यशाली आचार्य रहे कि उन्हें गुरु भी महान मिले और शिष्य समुदाय भी समर्पित मिला। आचार्य तुलसी ने युग परिवर्तन में समाज को नया दिशा बोध दिया। आचार्य तुलसी ऐसे महापुरुष रहे जो समय और सीमा में कभी बंधे नहीं। मुनि आदित्य कुमार जी ने गीत प्रस्तुत किया।

अर्हत वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंगलाचरण में ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी नमन, पूर्वी एवं मनन जैन ने तुलसी अष्टकम का संगान किया। स्वागत भाषण सुनील बैद ने किया। बन्नरघट्टा तेरापंथ सभा कोषाध्यक्ष छतर सिंह सेठिया, गुरुदेव तुलसी के परिवार की तरफ से अतुल खटेड़, ललिता राखी खटेड़, उपासिका भारतीय डागा, लक्ष्मी सुराणा, रेणु बैद तथा श्रुताराधना सामायिक महिला ग्रुप की बहनों ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से श्रद्धा समर्पित की। तेरापंथ प्रोफेशनल फॉर्म की तरफ से रीशु बैद ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत मुनि श्री ने मंत्र आराधना भी करवाई । आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष संतोष गोठी तथा कार्यक्रम का संचालन ज्ञानशाला प्रशिक्षिका मधु खटेड़ ने किया।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी ने जेल में अपने अनुभव साझा किए

पेरिस/एपी। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने अपनी एक किताब में उस जेल का वर्णन किया है, जहां उन्होंने 20 दिन बिताए थे। सरकोजी ने जेल को शोरगुल वाली जगह, कठोर और अमानवीय हिंसा से भरी दुनिया बताया है। सरकोजी की इस पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया जिसमें इस बारे में राजनीतिक सलाह भी दी गई है कि उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को धुर दक्षिणपंथी मतदाताओं को कैसे आकर्षित करना चाहिए। 'डायरी ऑफ ए प्रिजनर' नामक इस पुस्तक में 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि अपराध के प्रति उनके अपने सख्त रुख ने एक नया रूप ले लिया है। सरकोजी को 2007 के अपने विजयी चुनावी अभियान को लीबिया से प्राप्त धन से वित्तपोषित करने के मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया था। अदालत ने सितंबर में सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की। करीब 20 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया। यह पुस्तक पेरिस की ला सैंटे जेल के अंदर की दुर्लभ झलक पेश करती है, जहां सरकोजी को एकांत कारावास में रखा गया था और सुरक्षा कारणों से उन्हें अन्य कैदियों से सख्ती से अलग रखा गया था। उनकी एकांतता केवल उनकी पत्नी कार्ला ब्रूनी-सरकोजी और उनके वकीलों की नियमित मुलाकातों से ही टूटती थी। सरकोजी ने लिखा कि उनकी कोठरी एक सस्ते होटल जैसी दिखती थी, सिवाय बख्तरबंद दरवाजे और सलाखों के, जिसमें एक सख्त गद्दा, प्लास्टिक जैसा तकिया और एक ऐसा शॉवर था जिससे केवल पानी की पतली धार निकलती थी। उन्होंने जेल के शोर का वर्णन किया, जिसमें से अधिकांश शोर रात के समय होता था।सरकोजी ने जेल के माहौल को भयावह बताते हुए उसे नरक करार दिया।सरकोजी का कहना है कि उन्हें जेल में रहने के दौरान घटी कई हिंसक घटनाओं की जानकारी मिली।जेल में बिताए गए समय का वर्णन करने के अलावा, सरकोजी ने इस पुस्तक का उपयोग अपनी कंजर्वेटिव रिपब्लिकन पार्टी के लिए रणनीतिक राजनीतिक सलाह देने के लिए किया। सरकोजी ने पुस्तक में खुलासा किया कि उन्होंने जेल से फोन पर धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन से बात की थी।

श्रीलंका में दित्वा तूफान से हुए नुकसान से उबरने में छह महीने लगेंगे : मंत्री

कोलंबो/भाषा। श्रेलंका के उप वित्त मंत्री ने बुधवार को कहा कि चक्रवात दित्वा के कारण देश को हुए नुकसान की भरपाई और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक आकलन को पूरा करने में छह महीने लग सकते हैं। हालांकि, दित्वा के कारण हुए नुकसान का मोटे तौर पर अनुमान 15 दिसंबर के बाद प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस काम का जिम्मा 'रीबिल्ड श्रेलंका फंड' के हाथों में है, जिसका गठन राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने किया था।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से बनी निधि प्रबंधन समिति को आवश्यकताओं का आकलन करने, प्राथमिकताओं को निर्धारित करने, संसाधनों का आवंटन करने और पुनर्निर्माण कार्य के लिए धनराशि वितरित करने का कार्य सौंपा गया है। मावबिमा अखबार ने उप वित्त मंत्री अनिल जयंथा फर्नांडो के हवाले से बताया कि श्रेलंका के प्रवासी नागरिक एवं भारत सहित कई देश इस कोष में योगदान दे रहे हैं।

भजन संध्या 13 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेन्ट्रल द्वारा भजन संध्या का आयोजन 13 दिसम्बर को किया जा रहा है। जयनगर के अशोका पिल्लर के पास स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में शनिवार को सायं 4 बजे होने जा रहे इस आयोजन में भजन गायक परितोष एवं मिनी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्ति रस में डुबो देंगे और श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेंगे।

नि:शुल्क कृत्रिम अंग मापन शिविर में 176 मरीज हुए पंजीकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा बुधवार को महाराज अग्रसेन भवन में नि:शुल्क कृत्रिम अंग मापन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान कुल 176 मरीज पंजीकृत हुए, जिनमें से 124 लाभार्थियों के कृत्रिम अंगों हेतु माप लिया गया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे व्यक्तियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने में मदद करना है। समाज के अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान और सचिव मोहित तुलस्यान ने बताया कि जिन लाभार्थियों के माप लिए गए हैं, उन्हें 28 दिसंबर को कृत्रिम अंग वितरित किए जाएंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

इटली का पुराना व भरोसेमंद मित्र है भारत : उप प्रधानमंत्री ताजानी

नई दिल्ली/भाषा

इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि भारत की वृद्धि में इटली महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम एवं सह-विकास परियोजनाओं को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। ताजानी अमेरिका की शुल्क नीतियों के मद्देनजर दुनिया भर में व्यापार संबंधों के पुनर्गठन की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके पास विदेश मंत्रालय का प्रभार भी है। 'पीटीआई-भाषा' के लिए विशेष रूप से लिखे गए एक लेख में उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इतालवी विदेश मंत्रालय ने स्थानीय बाजार में प्रवेश करने और संयुक्त उद्यम बनाने वाली इतालवी कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत के लिए 50 करोड़ यूरो की एक समर्पित वित्तपोषण सुविधा (लाइन) शुरू की है। उन्होंने कहा, अपनी इस यात्रा के माध्यम से मैं भारत में इटली की और इटली में भारत की मौजूदगी बढ़ाना चाहता हूं। भारत एक विशाल बाजार है, एक तेजी से विकसित होती आर्थिक शक्ति है। बुनियादी ढांचे से लेकर नई प्रौद्योगिकियों तक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। मंत्री ने कहा, इतालवी कंपनियां इस असाधारण अवसरों से भरपूर देश में तेजी से रुचि दिखा रही हैं। मेरा मुख्य लक्ष्य उन्हें महत्वाकांक्षी और ठोस परिणाम प्राप्त करने में मदद करना है।

ताजानी ने भारत को प्राथमिकता वाला देश बताया और उसे इटली का लंबे समय से भरोसेमंद मित्र करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक रणनीतिक साझेदार है और अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश एवं नवाचार के क्षेत्रों में एक विशेषाधिकार प्राप्त वार्ताकार है। इटली, भारत का यूरोप में एक प्रमुख साझेदार है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष नवंबर में दोनों पक्षों ने रक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा एवं संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विशिष्ट पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक महत्वाकांक्षी पांच वर्षीय रणनीतिक कार्य योजना पेश की थी। दोनों देशों के बीच वर्तमान में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार करीब 14 अरब यूरो है और दोनों पक्ष एक मजबूत व्यापार ढांचे के तहत इसे बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत हैं। इस लेख में उप प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में इतालवी विशेषज्ञता को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए एक 'निर्यात योजना' भी शुरू की है और भारत रणनीतिक रूप से हमारी प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा, पिछले एक वर्ष में 50 करोड़ यूरो का अतिरिक्त इतालवी निवेश हमारी कंपनियों की प्रतिबद्धता का एक ठोस संकेत है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**